E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

आपको और आपके परिवार को भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

वर्ष -12 अंक - 133 | प्रयागराज, शनिवार 05 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

जयशंकर बोले- तेल खरीद पर रोक लगाने से जंग नहीं रुकेगी, बातचीत से ही खत्म होगी, भारत यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए मध्यस्थता को तैयार

कीव। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग का समाधान इस बात से नहीं निकलेगा कि कोई देश रूसी तेल खरीदता है या नहीं। कीव में उन्होंने कहा- 'यह संघर्ष अब पांचवें साल में है। इसे तेल, एल्युमिना, खनिज, धातु या खाद खरीदने या न खरीदने से खत्म नहीं किया जा सकता। जंग का समाधान सिर्फ कूटनीति और बातचीत के जरिए समझौते से ही निकलेगा।' जयशंकर ने यह बात गुरुवार को कीव दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही। वे यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ मौजूद थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की। जयशंकर इसके बाद राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी मिले। यूक्रेन बोला- रूसी हमलों के बीच जयशंकर का दौरा अहम-यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने जयशंकर के कीव दौरे को अहम बताया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों के बीच भारतीय विदेश मंत्री की यह यात्रा खास मायने रखती है। सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार यूक्रेनी शहरों, बंदरगाहों और नागरिक जहाजों को निशाना बना रहा है। दोनों नेताओं ने ब्लैक सी में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने और इससे जुड़ी वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के उस रुख का भी स्वागत किया, जिसमें भारत लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने की बात कहता रहा है।

दोनों देश अगली अंतर-सरकारी आयोग की बैठक कराने पर भी सहमत हुए। दोनों नेताओं के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में भारत-यूक्रेन के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी बात हुई। ब्लैक सी में पिछले डेढ़ महीने में 300 जहाजों पर हमला हुआ-जयशंकर ने ब्लैक सी में भारतीयों समेत सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है। इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

36 हज़ार किमी से तस्वीरें लेने वाला पहला भारतीय सैटेलाइट लॉन्च, पाकिस्तान-चीन पर लगातार रखेगा नजर, आपदा से पहले अलर्ट में करेगा मदद

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

(इसरो) ने गुरुवार देर रात 2:55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा। इससे आपदा की स्थिति का जल्दी पता लगाने और समय पर चेतावनी देने में मदद मिलेगी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि संगठन का इस साल छह और मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य है। करीब आठ महीने बाद इसरो का यह पहला लॉन्च है। इससे पहले जनवरी 2026 और मार्च 2025 में उसके दो मिशन सफल नहीं हो पाए थे। ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा ईओएस-05-जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम की 19वीं उड़ान थी। ईओएस-05 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड पैड से लॉन्च किया।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

नेपाल बाढ़-9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर, आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम दौड़ पड़ी, 40 अब भी फंसे होने की आशंका

काठमांडू। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए'

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद, 95 की पहचानः- नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। नेपाल बाढ़ में 600 बच्चे लापता, तलाश जारीः- नेपाल के रसुवा और नुवाकोट में फ्लैश फ्लड के बाद करीब 600 बच्चे अब भी लापता हैं। रसुवा में करीब 280, जबकि नुवाकोट में 300-350 बच्चों के लापता होने की जानकारी है। अकेले नुवाकोट की बिदुर नगरपालिका में करीब 250 बच्चे लापता बताए गए हैं। प्रशासन और स्कूलों से बच्चों के आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। संचार व्यवस्था प्रभावित होने के कारण सटीक संख्या जुटाने में दिक्कत आ रही है। कुछ बच्चों का पता चल चुका है, लेकिन अलग-अलग स्कूलों से नए लापता बच्चों की जानकारी भी सामने आ रही है। बाढ़ में दोनों जिलों के 22 शिक्षक और स्कूल कर्मचारी भी लापता हैं।नेपाली विदेश मंत्री बोले-भारत से मुआवजा नहीं मांगाः- नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने साफ किया कि नेपाल ने भारत, चीन या अमेरिका से जलवायु मुआवजे की मांग नहीं की है।उन्होंने कहा कि नेपाल की अपील सिर्फ इतनी है कि दुनिया रसुवा की आपदा को जलवायु परिवर्तन के असर के नजरिए से देखे और हिमालयी देशों की मदद के लिए आगे आए।खनाल ने भारत की तत्काल राहत और बचाव सहायता के लिए आभार जताया।

पीएम मोदी ने मेलोनी को बधाई दी, सबसे लंबे समय तक इटली की प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड मेलोनी के नाम

नई दिल्ली/रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर बधाई दी है। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में मेलोनी को अपनी मित्र बताते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि इटली के लोगों के उनके नेतृत्व पर भरोसे और विश्वास को दिखाती है। उन्होंने कहा कि मेलोनी की दोस्ती भारत और इटली के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम रही है। मोदी ने दोनों देशों के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री ने मेलोनी को आने वाले वर्षों में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मेलोनी के लगातार सत्ता में 1413 दिन पूरेः-जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने शुक्रवार को लगातार 1413 दिन सत्ता में रहकर इटली में नया रिकॉर्ड बनाया। 1946 में इटली गणराज्य बनने के बाद यह किसी एक कैबिनेट का सबसे लंबा लगातार कार्यकाल है। मेलोनी ने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी की दूसरी सरकार का रिकॉर्ड तोड़ा है। बर्लुस्कोनी की दूसरी कैबिनेट 2001 से 2005 तक 1412 दिन सत्ता में रही थी। मेलोनी 22 अक्टूबर 2022 को इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। वे दक्षिणपंथी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' की प्रमुख भी हैं। मेलोनी ने भी मोदी को दी थी बधाईः-जून

2026 में जब नरेंद्र मोदी ने 4399 दिन लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहकर जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा था, तब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी उन्हें बधाई दी थी।मेलोनी ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'बधाई हो नरेंद्र मोदी। आज आप भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।' मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली ने सरकार के रिकॉर्ड कार्यकाल के जश्न में शुक्रवार शाम दक्षिणी शहर बारी में बड़ी रैली आयोजित की है। रैली में हजारों समर्थकों पहुंचे करीब 80 बसों से समर्थकों को बारी लाया जा रहा है, जबकि कार्यक्रम स्थल पर करीब 10 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है।

मेलोनी ने सरकार के लंबे कार्यकाल को बड़ी उपलब्धि बताया है।

हालांकि, आलोचकों का कहना है कि सरकार ने लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को ही अपनी उपलब्धि बना लिया है। यह रैली 2027 के चुनाव से पहले चुनावी ताकत दिखाने के कार्यक्रम के तौर पर भी देखी जा रही है। इटली में सरकारें औसतन 13 महीने ही चलती हैं-इटली में पिछले कई दशकों से सरकारों के बार-बार बदलने और राजनीतिक अस्थिरता का इतिहास रहा है। 80 साल पहले गणराज्य बनने के बाद से देश में 68 सरकारें बन चुकी हैं। इन सरकारों का औसत कार्यकाल करीब 13 महीने रहा है।

ऐसे में मेलोनी की तीन दक्षिणपंथी और कंजरवेटिव पार्टियों वाली गठबंधन सरकार का करीब 4 साल तक टिकना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मोदी ने मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी दी थी मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट गिफ्ट किया था।

मेलोनी ने बाद में इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और मोदी को गिफ्ट के लिए धन्यवाद दिया था।

मोदी और मेलोनी की साथ की तस्वीरों के बाद सोशल मीडिया पर #Melodi काफी लोकप्रिय हुई थी।

एस्टोनिया के रक्षामंत्री ने दिया इस्तीफा,यूक्रेन को समय पर तोप के गोले नहीं दे पाए

कॉन्ट्रैक्ट में भारतीय कंपनी शामिल, अनुभव नहीं होने का आरोप

टालिन। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हानो पेवकुर ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की वजह यूक्रेन के लिए की गई करीब 768

करोड़ रुपए की एक डील है।सौदे के तहत भारतीय कंपनी से जुड़ी इटली की एक फर्म को गोला-बारूद सप्लाई का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। आरोप है कि कंपनी के पास तोप के गोले बनाने या बेचने का अनुभव नहीं था। इसके बावजूद उसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट दिया गया और भारी रकम एडवांस में दी गई। कंपनी के साथ किए गए थे 4

समझौते-2024 में एस्टोनिया के सेंटर फॉर डिफेंस इन्वेस्टमेंट ने तोप के गोलों की खरीद के लिए डेटासेल एसआरएल के साथ चार समझौते किए। यह कंपनी इटली में रजिस्टर्ड है। नवंबर 2024 तक यूक्रेन पहुंचने थे गोले- गोला-बारूद का पहला बैच नवंबर 2024 में यूक्रेन पहुंचना था, लेकिन डेटासेल ने देरी की। बाद में जो सामान पहुंचा, उसे लेकर भी सवाल उठाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ खेप अधूरी थी और उसमें गोले चलाने के लिए जरूरी हिस्से मौजूद नहीं थे। इनमें फ्यूज, प्रोपेलेंट चार्ज और प्राइमर जैसे हिस्से शामिल हैं। इसलिए एस्टोनिया ने कुछ सामान को स्वीकार नहीं किया। कंपनी ने आरोपों को खारिज किया-डेटासेल ने एस्टोनिया के आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसने बड़ी मात्रा में सामान तैयार किया और उसकी सप्लाई के लिए बिल भी दिए। कंपनी ने यह भी कहा कि डिलीवरी में देरी के पीछे अलग-अलग देशों से मंजूरी और जरूरी दस्तावेज मिलने में हुई देरी जैसी वजहें थीं।एस्टोनिया के 768 करोड़ रुपए अटके- एस्टोनिया ने इस सौदे में करीब 768 करोड़ रुपए दिए थे। अब वह इस रकम को वापस पाने की कोशिश कर रहा है। अगर पैसा वापस नहीं मिला तो एस्टोनिया पर इस रकम का वित्तीय बोझ पड़ सकता है। यूरोपीय आयोग भी एस्टोनिया के साथ इस मामले पर बातचीत कर रहा है। ईयू के फंड से आया था पैसा-इस सौदे में इस्तेमाल हुआ पैसा यूरोपीय संघ की यूरोपियन पीस फैसिलिटी (ईपीएफ) से आया था। यह फंड यूक्रेन को सैन्य सहायता देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अब सवाल यह है कि अगर एस्टोनिया कंपनी से पैसा वापस नहीं ले पाया तो इस फंड का क्या होगा। यूरोपीय आयोग इस मामले में एस्टोनियाई अधिकारियों के संपर्क में है। जांच में खरीद प्रक्रिया पर भी सवाल-एस्टोनिया के राष्ट्रीय लेखा कार्यालय ने इस सौदे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

जांच का एक बड़ा मुद्दा यह है कि इतने बड़े रक्षा सौदे में ऐसी कंपनी को कैसे चुना गया, जिसके पास तोप के गोले की सप्लाई का पहले का अनुभव नहीं था।

यानी विवाद सिर्फ इस बात पर नहीं है कि गोले समय पर पहुंचे या नहीं। सवाल यह भी है कि कंपनी का चयन कैसे हुआ और इतनी बड़ी रकम एडवांस में क्यों दी गई।

नेपाल की तबाही में भारत बना सबसे बड़ा सहारा, 74 टन राहत भेजी, डॉक्टर, रेस्क्यू एक्सपर्ट और फोरेंसिक टीम भी पहुंचाई

नई दिल्ली/काठमांडू। नेपाल में ग्लेशियर टूटने के बाद आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। नेपाल और चीन के

तिब्बत क्षेत्र में इस आपदा से 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। शहरों, सड़कों, पुलों और कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को भारी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ के कुछ घंटों के भीतर ही भारत ने राहत सामग्री भेजनी शुरू कर दी थी। 3 सितंबर तक भारत पांच खेप में कुल 74 टन राहत सामग्री भेज चुका है, जिसमें करीब 5 टन जरूरी दवाइयां शामिल हैं। भारत की मदद सिर्फ राहत सामग्री तक सीमित नहीं रही। डॉक्टर, पैरामेडिक्स, बचाव दल, सुरंग विशेषज्ञ, बेली ब्रिज और फोरेंसिक एक्सपर्ट भी नेपाल भेजे गए हैं। यानी सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश से लेकर शवों की डीएनए जांच और पुनर्निर्माण तक भारत कई मोर्चों पर नेपाल की मदद कर रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भी संसद में भारत की सहायता के लिए धन्यवाद दिया है। भारत की मदद से बना अस्पताल बाढ़ पीड़ितों के लिए बना सहारा- नेपाल के नुवाकोट में नेपाल-भारत मैत्री भवन बाढ़ के बाद लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आया है। इस इमारत में आयुर्वेद और वैकल्पिक अस्पताल भी है। भारत सरकार ने 2015 के भूकंप के बाद इस अस्पताल का पुनर्निर्माण कराया था। ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से भोटेकोशी बाढ़ में घर छोड़ने को मजबूर सैकड़ों लोगों ने यहां शरण ली है। अस्पताल में 11 डॉक्टर बाढ़ प्रभावित लोगों का इलाज कर रहे हैं। यहां से जिले के अलग-अलग राहत केंद्रों में पहुंचाए गए लोगों को भी मेडिकल मदद दी जा रही है। जहां पुल बह गए, वहां बेली ब्रिज से फिर जुड़ेंगे रास्ते- बाढ़ में कई सड़कें और पुल बहने से दूरदराज के इलाकों का संपर्क टूट गया है। इसे बहाल करने के लिए भारत नेपाल को बेली ब्रिज भेज रहा है। बेली ब्रिज लोहे के हिस्सों से तैयार होने वाला अस्थायी पुल होता है। इसके हिस्सों को प्रभावित इलाके तक ले जाकर मौके पर जोड़ा जा सकता है। इससे स्थायी पुल बनने का इंतजार किए बिना सड़क संपर्क जल्दी बहाल किया जा सकता है। भारतीय दूतावास के मुताबिक, 230 फीट लंबे सिंगल-लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। सात और बेली ब्रिज लगाने के लिए उपकरण भी जल्द भेजे जाएंगे। इन्हें लगाने के लिए तकनीकी टीमें भी नेपाल पहुंचेंगी। हाइड्रोपावर सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश में भारतीय एक्सपर्ट-बाढ़ के बाद नेपाल के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हाइड्रोपावर सुरंगों में फंसे मजदूरों को ढूंढना है। नेपाल सरकार के मुताबिक कई सुरंगों में करीब 900 से ज्यादा कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है। 30 अगस्त को भारतीय सुरंग बचाव विशेषज्ञों की टीम नेपाल पहुंची। टीम नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे और लांगटांग के बाढ़ प्रभावित इलाकों में हाइड्रोपावर सुरंगों में कर्मचारियों की तलाश कर रही है। दिल्ली-एनसीआर के 'रैट माइनर्स' की टीम ने भी नेपाल के बचाव अभियान में शामिल होने की पेशकश की है। इसी टीम ने 2023 में उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई थी। शवों के पहचान के लिए डीएनए जांच में भारत की मदद-बाढ़ का पानी घटने के बाद अब नेपाल के सामने एक और बड़ी चुनौती बरामद शवों और लापता लोगों की पहचान करना है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो प्लेन पोल से टकराया,पार्किंग में ले जाते वक्त खंभे में भिड़ा, आगे का हिस्सा टूटा

श्रीनगर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो का विमान 6ई 225 (वीटी-

एनओजी) पार्किंग के दौरान खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना करीब सुबह 9 बजे बे नंबर-6 पर विमान को पार्क करते समय हुई। विमान में सवार सभी 200 यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद यात्रियों और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों की मदद से विमान से सुरक्षित उतारा गया। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और सभी फ्लाइट्स निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं। विमान जिस खंभे से टकराया, वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम (विडीजीएस) का हिस्सा है। यह सिस्टम विमान को पार्किंग बे में सही जगह लाने और सुरक्षित तरीके से पार्क कराने में मदद करता है। विमान का अलाइनमेंट थोड़ा बिगड़ना- पार्किंग के दौरान विमान निर्धारित सेंटरलाइन से हट गया हो। संकेत को सही तरह से फॉलो न कर पाना- विडीजीएस के डिस्प्ले/लाइट के संकेत में भ्रम या मानवीय गलती। पायलट की विजिबिलिटी कम होना- बारिश, धुंध, रात या किसी अन्य वजह से पोल/मार्किंग स्पष्ट न दिखना। विडीजीएस में तकनीकी खराबी- सिस्टम गलत दूरी या दिशा दिखा रहा हो। विमान की गति या ब्रेकिंग में मामूली गड़बड़ी-पार्किंग में विमान को रोकते समय ब्रेक नहीं लग पाना।

पुतिन बोले- रूसी जहाजों को जब्त करना आतंकवाद है,इससे यूक्रेन जंग कभी खत्म नहीं होगी

मॉस्को। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच समुद्र में रूसी जहाजों को लेकर तनाव बढ़ गया है। रूस के नागरिक और कारोबारी जहाजों पर हमलों को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है। उन्होंने इसे आतंकवाद करार दिया और कहा कि

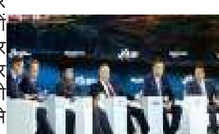

इससे रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की संभावना और मुश्किल हो रही है। पुतिन ने नॉर्वे की ओर से रूसी रिसर्च जहाज प्रोफेसर मोलचानोव को हिरासत में लिए जाने पर भी नाराजगी जताई। नॉर्वे ने यूक्रेन के कहने पर जहाज जब्त किया-नॉर्वे ने यूक्रेन की सरकारी कंपनी नाफ्टोगाज की मांग पर इस जहाज को हिरासत में लिया। उस वक्त 'प्रोफेसर मोलचानोव' स्वालबार्ड के बारेंट्सबर्ग इलाके में खड़ा था। यह रूस का सरकारी रिसर्च जहाज है। इस पर वैज्ञानिकों और रिसर्च से जुड़े कर्मचारियों के अलावा उनके परिवार और पर्यटक भी सफर करते हैं। यह स्वालबार्ड की रूसी बस्तियों के लिए जरूरी सामान भी पहुंचाता है। नॉर्वे ने यह जहाज किसी समुद्री प्रतिबंध के उल्लंघन के आरोप में नहीं, बल्कि एक पुराने मुआवजे के मामले में जब्त किया। 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद वहां नाफ्टोगाज की संपत्तियों पर नियंत्रण कर लिया था। इसके बाद नाफ्टोगाज ने रूस से मुआवजा मांगा। 2023 में हेग की एक अंतरराष्ट्रीय अदालत ने रूस को नाफ्टोगाज को करीब 4.22 अरब डॉलर देने का आदेश दिया। रूस ने अब तक यह रकम नहीं दी है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

कार्यकर्ताओं की ताकत से ही 2027 का रण हम जीतेंगेः सुरेश मौर्या, तीसरी बार अखिलेश की साईकिल होगी पंचरःसैफुल अब्बास

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत,भाजपा काशी क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। तुलसियानी स्क्वायर कालोनी सिविल लाइन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य का स्वागत अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र के मंत्री सैफुल अब्बास ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य को भगवान श्री राम का स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर एवं अंगवस्त्रम पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 2014 लोकसभा और 2017 विधान सभा चुनाव में लगातार भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के बल पर कमल खिला रही है और इस बार भी उत्तर प्रदेश की 2027 की विधान सभा का चुनावी

रण हम कार्यकर्ता के बल पर जीतेंगे। और आगे कहा कि सभी कार्यकर्ता चुनाव के लिए तैयार रहें और अपना बूथ मजबूत करें क्योंकि बूथ जीता तो चुनाव जीता और कहा कि देश और प्रदेश के नौजवान राहुल गांधी और अखिलेश यादव की मंशा को जानते है। उनका सिर्फ एक ही मकसद है परिवार वाद, जातिवाद और आतंकवादियो और गुंडों को संरक्षण प्रदान करना है जिसे नौजवानों कत्तई नहीं स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि 2047 तक राहुल गांधी और अखिलेश यादव सरकार बनाने का सपना छोड दें। उनके सपने मुगेंरी लाल के हसीन सपने की तरह रह जाएंगे। और आगे कहा कि कार्यकर्ता आम जनता, छात्रों और नौजवानों के बीच जाए और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करें। इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा के मंत्री सैफुल अब्बास ने कहा कि 2027 का रण हम जीतेंगे और अखिलेश यादव की सायकिल को तीसरी बार फिर पंचर करेंगे। इस अवसर राजेश केसरवानी, सुशील कुमार जैन, अंबिका जैन,मनराम मौर्य,अजय आग्राहरि,शत्रुघ्न जायसवाल,हसमत उल्ला खान,किशन चंद्र जायसवाल नीरज केसरवानी आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिडलिंग प्री-स्कूल में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, नन्हे-मुन्नों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) झूंसी/प्रयागराज।

सिडलिंग प्री-स्कूल, झूंसी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास एवं धार्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के स्वरूप में सजकर मनमोहक एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अद्विक, मानशी, खुशी, राज सहित अन्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बच्चों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं जन्माष्टमी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।विद्यालय परिसर में जन्माष्टमी को लेकर विशेष सजावट की गई थी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ खूब सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों को विद्यालय की ओर से स्वल्पाहार वितरित किया गया। आयोजन ने बच्चों में भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

आलू किसानों को आलू भण्डारण प्रभार पर मिलेगा अनुदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को जिला उद्यान अधिकारी जय राम वर्मा ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आलू उत्पादक किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने तथा बाजार में आलू के दामों में होने वाली गिरावट से बचाने के लिए भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना एवं भण्डारण प्रभार पर अनुदान की योजना की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना की योजना- यदि बाजार में आलू की कीमतें अत्यधिक गिरती हैं, तो आलू उत्पादक कृषकों को अनुदान के तहत निर्धारित आलू के न्यूनतम उत्पादन लागत का 25 प्रतिशत अथवा न्यूनतम उत्पादन लागत एवं बिक्रीत दर के अन्तर की धनराशि जो कम हो, देय होगा। प्रति कृषक अधिकतम 02 हेक्टेयर आलू रोपित क्षेत्रफल, प्रति हेक्टेयर अधिकतम 240 कुन्तल की दर से अनुमन्य अनुदान देय होगा। आलू रोपित क्षेत्रफल का निर्धारण अद्यतन निर्गत खसरा खतौनी के आधार पर निर्धारित होगा एवं कृषक आईडी धारक एवं एग्रीटेक पोर्टल पर पंजीकृत आलू उत्पादक कृषक ही पात्र होगें। आवेदन हेतु फोटोयुक्त वैध पहचान पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, खसरा खतौनी, एवं गेट पास एवं प्रपत्र-06 (व्यापारी एवं आलू कृषक के मध्य क्रय-विक्रय का विवरण) की छायाप्रति अनिवार्य है। निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार पर अनुदान की योजना- आलू उत्पादक कृषकों को उनके आलू उपज के लागत के सापेक्ष समुचित मूल्य सुनिश्चियन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने हेतु

शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार में अनुदान देने हेतु योजना की शुरूवात हुई है। यह लाभ प्रति कृषक अधिकतम 2 हेक्टेयर आलू रोपित क्षेत्रफल, प्रति हेक्टेयर अधिकतम 200 कुन्तल की दर से अनुदान देय होगा, भण्डारित आलू पर भण्डारण शुल्क पर धनराशि रू 100/प्रति कुन्तल की दर से अनुदान देय होगा। योजना के तहत मिलने वाली सभी अनुदान और सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। आलू रोपित क्षेत्रफल का निर्धारण अद्यतन निर्गत खसरा खतौनी के आधार पर निर्धारित होगा। शीतगृह में भण्डारित आलू की मात्रा का निर्धारण शीतगृह द्वारा निर्गत तकपट्टी के आधार पर होगा। शीतगृह में भण्डारित आलू की निकासी से सम्बन्धित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही अनुदान हेतु पात्रता मानी जायेगी। आवेदन हेतु आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, खसरा खतौनी, निर्गत तकपट्टी की छायाप्रति अनिवार्य है। जनपद के सभी इच्छुक आलू उत्पादक कृषक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए https://potato.uphorticulture.in पर पंजीकरण कर सकते हैं। योजना से जुड़ी अधिक जानकारी या किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान के लिए कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, रायबरेली में संपर्क कर सकते हैं।

अफेयर के शक में पत्नी को गंगा में फेंका, पति ने खुद फोन करके पुलिस को बताया

उन्नाव। उन्नाव में शुक्रवार शाम एक पति ने पत्नी को गंगा

नदी में फेंक दिया। दोनों के बीच पुल के बींचोबीच झगड़ा हुआ। इसके बाद पति ने पत्नी को गंगाजी में धक्का दे दिया। घटना के तुरंत बाद पति ने खुद पुलिस को कॉल करके कहा- मेरी पत्नी गंगा नदी में कूद गई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि पति अपनी पत्नी पर अफेयर को लेकर शक करता था। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि पति ने झगड़े के दौरान पत्नी को पुल से नीचे धक्का दे दिया। घटना सफीपुर इलाके की है। पुलिस गोताखोरों की मदद से महिला की तलाश में जुटी हुई है। बिठूर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव के रहने वाले सुजीत राजपूत (20) की शादी 14 दिसंबर, 2024 को उषा (19) से हुई थी। उषा का मायका सफीपुर थाना क्षेत्र के मरौंदा मंझवारा गांव में है। कुछ दिन पहले उषा का साढ़ू नए बने मकान की बीम से गिर गया था। हादसे में उसका हाथ टूट गया था। इसके बाद वह मायके में रहकर इलाज करा रहा था। शुक्रवार को सुजीत, पत्नी उषा को लेकर उसके मायके गया था। वहां उसने अपने साढ़ू का हालचाल पूछा। शाम करीब 7 बजे दोनों वहां से वापस लौट

रहे थे। पुल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, परियर-बिठूर पुल पर पति-पत्नी का झगड़ा होने लगा। पति कहने लगा कि तुम्हारा किसी से चक्कर चल रहा। पत्नी के विरोध के बाद पति ने उसे पुल से नीचे गंगा में फेंक दिया। आरोपी ने खुद पुलिस को दी सूचना-घटना के बाद सुजीत ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उससे पूछताछ की तो बोला- मेरी पत्नी खुद ही नीचे कूद गई। उसने पेट दर्द की बात कहकर बाइक रुकवाई थी। पुलिस ने सुजीत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तेज बहाव के चलते अब तक नहीं मिली उषा-गंगा में इन दिनों पानी का बहाव तेज है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से महिला की तलाश कराने की कोशिश की, लेकिन देर रात होने और तेज बहाव के कारण गोताखोर नदी में नहीं उतर सके।

अंधेरा होने के चलते रात में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन भी नहीं चलाया जा सका।

परियर चौकी इंचार्ज अनिल राजपूत ने बताया-'शनिवार सुबह रोशनी होने पर महिला की तलाश दोबारा शुरू कराई जाएगी।

इसके लिए गोताखोरों और अन्य संसाधनों की मदद ली जाएगी। महिला के नदी में गिरने की घटना की पुष्टि और

उसकी बरामदगी के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।'

सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद-सोनभद्र के कृषकों का पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/प्रयागराज। प्रसार निदेशालय, सैम हिग्गिनबॉटम

कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 31 अगस्त से 04 सितम्बर 2026 तक संचालित होने वाले सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद-सोनभद्र के कृषकों का पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम किया गया। समापन कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध कार्य के नवीन तकनीकियों से खाद्यान्न उत्पादन सुरक्षित हुआ है एवं विश्वद्यिालय एक अभूतपूर्व सहयोग प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आपको कई प्रकार की नवीन कृषि तकनीकियों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। आगे उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शोध प्रक्षेत्रों पर एवं प्रयोगशालाओं में जाकर आपको कई प्रकार के शोध कार्यों को देखने व जानने का भी अवसर मिला होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रसार निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के ज्ञानवर्द्धन से कृषक प्रभावित होकर विन्ध्यांचल एवं प्रयागराज मण्डलों के कृषक इस विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण हेतु सदैव तत्पर एवं उत्साहित रहते हैं। श्रीमती मीना नेथन ने प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को मोटे अनाजों की उपयोगिता के

बारे में बताते हुए कहा कि मोटे अनाजों के दैनिक उपयोग से ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण की समस्या को प्रभावी बाजरा) गुड़ से लड्डू, बिस्कुट, गुलाब जामुन, तैयार करके कृषकों के सामने प्रयोगात्मक तरीके से तैयार करके उनको अवगत कराया एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रयागराज के प्रभारी डा0 मुकेश पी. मसीह ने कृषकों को संरक्षित खेती (पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस) के माध्यम से कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन तकनीकी से संबंधित जानकारी एवं महत्व पर विस्तृत चर्चा की एवं कृषकों को अवगत कराया कि अपने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए जो भी कृषक अगेती सब्जी की खेती करना चाहता है उसको संरक्षित खेती तकनीकी को अपनाना होगा। इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक एवं वैज्ञानिक डा0 टी. डी. मिश्रा ने प्रतिभागी कृषकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी देते हुए कृषकों को अवगत कराया कि पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसार निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा कृषकों ने रूचिपूर्वक तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त किया

में उन्होंने कृषकों को बताया कि यह विश्वविद्यालय यह संस्थान भारत ही नहीं एशिया महाद्वीप का सबसे पुराना कृषि संस्थान है जिसमें कृषकों को कृषि की प्रायोगिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस संस्थान के विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित होने के उपरांत उ0प्र0 सरकार के सहयोग से कृषकों का कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में प्रशिक्षण का कार्यक्रम प्रसार निदेशालय के माध्यम से निरंतर संचालित किया जा रहा है जिसका क्षेत्र में उत्पादकता एवं गुणवत्ता तथा कृषकों के आय में वृद्धि हो रही रूप से दूर किया जा सकता है। मोटे अनाजों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में उपस्थित रहता है जिसके सेवन से महिलाओं में गर्भावस्था के समय हड्डियों में होने वाली समस्याओं को दूर किया जा सकता है साथ ही अन्य मोटे अनाजों में लौह तत्व की प्रचुर मात्रा उपस्थित होती है जिससे बच्चों एव वृद्धों को प्रचुर मात्रा में इन पोषक तत्वों की प्राप्ति हो जाती है। इस अवसर पर उन्होनें मोटे अनाजों के प्रसंस्कृत उत्पादों को घरेलू एवं व्यवसायिक स्तर पर तैयार करें तथा प्रशिक्षण के दौरान मोटे अनाज (रागी, तथा प्रशिक्षण में कृषकों को एक नई दिशा का बोध हुआ कि आज के आधुनिक युग में खेती-किसानी द्वारा आर्थिक स्थिति को सुधारना है तो नवीन तकनीकियों, नवीन प्रजातियों, बीज शोधन, कीट रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन समयानुसार करना होगा अन्यथा कृषकों को हानि का सामना करना पड़ सकता है। यदि हम इन विधियों का प्रयोग करते हैं तो हमे अगेती खेती समय के विपरीत संरक्षित खेती के माध्यम से उत्पादन, अच्छी प्रजाति का बीज का चयन करना होगा तब जाकर हम आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी हो सकते हैं।

सीजेपी कार्यकर्ता को पीटने वाला स्वतंत्र यूपी से दबोचा गया, बोला था- मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा

बुलंदशहर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नीशू आजाद के पिता के साथ मारपीट करने वाले स्वतंत्र भारद्वाज और उसके एक साथी पवन को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम करीब 5 बजे बुलंदशहर से पकड़ लिया। उसे अपने साथ लेकर पुलिस दिल्ली रवाना हो गई। स्वतंत्र अपने साथी पवन के साथ बुलंदशहर में नैथला निवासी हरिशंकर उर्फ अन्नू के यहां ठहरा था। हरिशंकर दिल्ली में टैक्सी ड्राइवर हैं। उन्होंने दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की, हालांकि कैमरे पर आने से मना कर दिया। पकड़े जाने से पहले स्वतंत्र ने मीडिया से करीब 3 मिनट तक बात की और कहा- 'मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चाहे पूरा विपक्ष एकजुट हो मेरा बाल बांका नहीं कर सकता। मैं दिल्ली पुलिस का सपोर्ट कर रहा हूं। धर्मो रक्षति रक्षितः।' एसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया, 'सूचना मिली है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल क्राइम ब्रांच बुलंदशहर आई थी। उसने स्वतंत्र को चोला थाना क्षेत्र के गांव धमेड़ा नारा से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस को कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है।'स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीजेपी ने शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने में 3 घंटे प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ। दरअसल नीशू का आरोप था कि 23 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय के साथ मारपीट की गई। दो दिन पहले स्वतंत्र का एक पॉडकास्ट वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह संजय पर हमला करने की बात कबूल करता नजर आया। हालांकि, उसने कहा कि उसने ऐसा सेल्फ डिफेंस में किया था। इस पर सौरव दास ने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुद हमला करने की बात स्वीकार कर रहा है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में सीजेपी का प्रदर्शन- स्वतंत्र की गिरफ्तारी को लेकर सीजेपी ने आज दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में प्रदर्शन किया। सीजेपी की मांग थी कि आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। पुलिस और

सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच करीब 3 घंटे बैठक चली। पुलिस ने आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट लगेगा और 72 घंटे के अंदर गिरफ्तारी होगी। राहुल गांधी के दावे को बताया फर्जी- स्वतंत्र ने आगे कहा- दिल्ली पुलिस की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित को कोई गंभीर चोट नहीं लगी है। उनके पास इस पूरी घटना के वीडियो सबूत हैं। वे पुलिस की चल रही जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। आरोपी बोला- चाहे ट्रंप आएं या नेतन्याहू, कोई कुछ नहीं कर सकता- स्वतंत्र ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य लोगों की तरफ से सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही पॉडकास्ट क्लिप को फर्जी बताया। उसने कहा- चाहे ट्रंप आ जाएं या नेतन्याहू आ जाएं। या राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष सड़क पर आ जाए, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। मैं तो सनातन के लिए काम करता हूं। भाजपा नेता कपिल मिश्रा की मदद से रिहाई मिलने के आरोपों पर भारद्वाज ने कहा- कपिल मिश्रा और चिराग पासवान मेरे भाई जैसे हैं। रिहाई वाली सिर्फ मजाक में कही गई थी। लोगों ने उसे गलत तरीके से समझ लिया। अभी इस मामले में जांच जारी है। 1. पीड़ित पक्ष- संजय कुमार/नीशू आजाद- सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार 23 जून को जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान घायल हुए थे। संजय की शिकायत पर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में केस दर्ज हुआ। नीशू का आरोप है कि उनके पिता का सिर फोड़ा गया और डेढ़ महीने बाद भी पुलिस ने पर्याप्त कार्रवाई नहीं की।2. आरोपी- स्वतंत्र भारद्वाज-स्वतंत्र भारद्वाज ने एक वायरल पॉडकास्ट में दावा किया कि उन्होंने संजय के सिर पर हमला किया था और उन्हें 60 टांके लगे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जेल नहीं जाना पड़ा। बाद में भारद्वाज ने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि यह हमला नहीं बल्कि सेल्फ-डिफेंस था। उनका दावा है कि 10-15 लोगों ने उन्हें घेर लिया था और अगर वह बचाव में कार्रवाई नहीं करते तो उन्हें भीड़ मार सकती थी। 3. दिल्ली पुलिस का पक्ष-पुलिस के मुताबिक 23 जून को संजय कुमार के सिर पर कड़ा (ब्रेसलेट) लगने से चोट आई। संजय कों श्थ अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। मेडिको लीगल केस में चोट साधारण बताई गई। पुलिस ने खोपड़ी फटने/फ्रैक्चर के दावे को गलत बताया। सूरज कुमार (24) और स्वतंत्र भारद्वाज (21) को मौके से हिरासत में लिया गया था।

सेक्टर-70 में बच्चों ने मनाई जन्माष्टमी, कृष्ण-राधा बने नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मोहा मन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के

पावन पर्व पर सेक्टर-70 स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन में शुक्रवार को एक भावुक और भक्तिमय आयोजन देखने को मिला। यहां दिव्यांग बच्चों ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना से हुआ। इसके बाद दिव्यांग बच्चों ने कृष्ण और राधा की आकर्षक वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विशेष प्रस्तुति एडमिन हेड कृष्णा यादव, स्पेशल एजुकेटर इलिका रावत और फिजियोथेरेपिस्ट अभिनव प्रताप सिंह द्वारा तैयार की गई। भजन-कीर्तन और ढोल-नगाड़ों की थाप पर बच्चों ने जमकर नृत्य किया, जिसे देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवक राजवी सिंह, कृति यादव, आरवी, सक्षम और भाविका का विशेष सहयोग रहा। फाउंडेशन के निदेशक एवं फिजियोथेरेपिस्ट एवं एर्गोनोमिस्ट डॉ. महिपाल सिंह ने बताया कि हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना है। ऐसे त्योहारों को मनाने से बच्चों में खुशी, आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव बढ़ता है। इस अवसर पर फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी, और सौम्या सोनी, डिजिटल मीडिया एंड कम्युनिकेशन मैनेजर, मौजूद रहे। सेंटर मैनेजर सुरभि जैन ने बताया कि ऐसे आयोजनों और सामाजिक कार्यों से बच्चे हमारी संस्कृति को समझते हैं और समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार जेपी सिंह के जन्मदिन पर उमड़ा शुभकामनाओं का सैलाब, पत्रकारिता जगत ने की उज्ज्वल भविष्य की कामना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पत्रकारिता जगत से जुड़े

एक महत्वपूर्ण और यादगार अवसर पर शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब के महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह 'जेपी' का जन्मदिन हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के सम्मानित पत्रकार साथियों, वरिष्ठ अधिकारीगण, शहर के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जेपी सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी और उनके स्वस्थ, सुखद, समृद्ध एवं सफल जीवन की मंगलकामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने जेपी सिंह को पटका पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान समारोह में मौजूद लोगों ने उनके दीर्घायु होने तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में इसी प्रकार निरंतर सक्रिय रहते हुए समाज और पत्रकार हितों के लिए कार्य करते रहने की कामना की। आत्मीय माहौल में आयोजित समारोह में बधाई देने वालों का उत्साह देखते ही बनता था।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जेपी सिंह लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि समाज की आवाज को जिम्मेदारी के साथ उठाने के माध्यम के रूप में अपनाया है। जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाने और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने में उनका योगदान सराहनीय रहा है। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता के साथ-साथ नोएडा मीडिया क्लब

के महासचिव के रूप में भी जेपी सिंह पत्रकारों के हितों और उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। पत्रकारों की एकता, सम्मान और अधिकारों से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से संबंधित मंचों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। समारोह में मौजूद पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने कहा कि जेपी सिंह का सहज व्यवहार, सक्रियता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण उन्हें साथी पत्रकारों के बीच एक अलग पहचान दिलाता है। सभी ने उनके जन्मदिन को विशेष अवसर बताते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक सफलता हासिल करने तथा पत्रकारिता एवं समाजहित में नए आयाम स्थापित करने की शुभकामनाएं दीं।

यू.पी. टेक्स 2026' के जरिए वैश्विक मंच पर दिखेगी उत्तर प्रदेश के वस्त्र उद्योग की ताकत,नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन भवन सेक्टर-06, नोएडा में 'यू.पी. टैक्स-2026' का कर्टेन रेजर एवं रोड शो सम्पन्न

नोएडा में जुटे वस्त्र क्षेत्र के उद्यमी, निवेश और निर्यात की संभावनाओं पर हुआ मंथन,उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग के विस्तार को मिलेगी नई दिशा, उद्यमियों ने साझा किए अनुभव,वस्त्र उद्योग में निवेश, नवाचार और निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर,टेक्सटाइल क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा 'यू.पी. टेक्स 2026: माननीय मंत्री राकेश सचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र केंद्र में परिवर्तित किए जाने के उद्देश्य से हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग द्वारा 08 से 09 सितंबर तक लखनऊ में आयोजित होने वाले 'यू.पी. टेक्स 2026' के शुभारंभ से पूर्व आज 'यू.पी. टैक्स-2026' का कर्टेन रेजर एवं रोड शो आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मंत्री, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान ने अपने

उद्बोधन में उत्तर प्रदेश को वैश्विक टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2026' की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष एनएईसी ललित ठुकराल ने परिधान, निर्यात एवं वस्त्र क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उपाध्यक्ष, आई.आई.ए. राजीव बंसल ने अपैरल के क्षेत्र में नोएडा की उपयोगिता एवं संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। निदेशक, एसएसजी फर्निशिंग्स लिमिटेड, नोएडा चंद्रभूषण मिश्रा ने होमटेक एवं आईएफआर फैब्रिक तथा उसके उपयोग के संबंध में जानकारी दी। निदेशक, एलीट होम डेकोर अवनीश गौतम ने स्टार्टअप तथा भारतीय होम फर्निशिंग की बढ़ती वैश्विक मांग पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में संयोजक एवं सहायक आयुक्त, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, मेरठ/सहारनपुर मंडल अरविंद कुमार सिंह ने सभी उद्यमियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी उद्यमियों से 'यू.पी. टेक्स 2026' में 08 एवं 09 सितम्बर को सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। साथ ही विभाग द्वारा पंजीकरण की कार्यवाही के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था की गई, जहां उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं, निवेश के अवसरों एवं निर्यात संवर्धन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने उद्यमियों से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं निवेश संबंधी अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नवीन टेक्सटाइल पॉलिसी-2027 को लेकर भी चर्चा की गई।

ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान, प्रमुख सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश अनिल कुमार सागर, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त (हथकरघा), हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, पश्चिमी क्षेत्र मेरठ/सहारनपुर मंडल अरविंद कुमार सिंह, अध्यक्ष एनएईसी ललित ठुकराल, उपाध्यक्ष एनएईसी नीरज प्रकाश एवं उपाध्यक्ष, आई.आई.ए. राजीव बंसल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उद्यमियों द्वारा प्रतिभाग किया। मंत्री, खादी एवं कहा कि 'यू.पी. टेक्स 2026' के माध्यम से प्रदेश की टेक्सटाइल क्षमता को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने, उद्यमियों एवं निवेशकों को एक मंच प्रदान करने तथा वस्त्र क्षेत्र में नए अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य है। 'यू.पी. टेक्स 2026' उत्तर प्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर के विकास को नई गति देने के साथ ही उद्योग जगत के लिए नए अवसरों और संभावनाओं के द्वार खोलेगा।प्रमुख सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश अनिल कुमार सागर ने उद्योग जगत की सहभागिता, निवेश के अवसरों तथा 'यू.पी. टेक्स

जलभराव प्रभावित गांवों में पहुंचे उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह,राहत सामग्री वितरित कर लिया जमीनी हालात का जायजा

प्रभावित परिवारों से संवाद कर जाना उनका हाल,अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उत्तर

प्रदेश दिनेश प्रताप सिंह जी ने आज तहसील एवं विकासखंड महराजगंज के जलभराव से प्रभावित गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जिला प्रशासन) द्वारा उपलब्ध कराई जा रही राशन किट / राहत सामग्री का वितरण किया। उद्यान मंत्री ने सर्वप्रथम लालगंज मजरे (मोन) में पहुंचकर जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर जलभराव के कारण उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली और मौके पर मौजूद अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा आवश्यकतानुसार खाद्य सामग्री,

पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य जरूरी सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके उपरांत मंत्री ने ग्राम कोटवा मदनिया पहुंचकर भी जलभराव से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया और प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उद्यान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रभावित परिवारों तक शासन-प्रशासन की सहायता समय से पहुंचाई जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों में आवागमन, स्वच्छ पेयजल, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि शासन एवं जिला प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित परिवार को संकट की इस घड़ी में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रभावित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करते हुए स्थिति पर नजर रखें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल राहत एवं बचाव की कार्रवाई सुनिश्चित करें।निरीक्षण के दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (Special TET) का विज्ञापन जारी, 5 सितंबर से शुरू होगा ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा प्राथमिक एवं उच्च विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित किए जाने के संबंध में 02 सितंबर 2026 को निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आयोग वाले अभ्यर्थी ही निर्धारित अवधि में अपना आवेदन प्रस्तुत करें। आयोग द्वारा 03 सितंबर 2026 को जारी विज्ञापन / विज्ञप्ति के

विशेष शिक्षकों (CWSN) के लिए आयोजित होगी विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा – आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार

प्राथमिक स्तर पर कार्यरत विशेष शिक्षकों (CWSN) के लिए विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (एजर्मेत ऊॅं) का विज्ञापन जारी कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा के आयोजन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि शासन द्वारा उच्चतम न्यायालय में सिविल अपील संख्या-1385/2025 एवं पुनर्विचार याचिका डायरी संख्या-53434/2025 में पारित आदेश दिनांक 29 मई 2026 से बड़ी संख्या में शिक्षकों के प्रभावित होने के दृष्टिगत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों तथा विशेष शिक्षकों (CWSN) के लिए द्वारा विज्ञापन संख्या-03/2026 के माध्यम से विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों को पहले ओटीआर पूर्ण करना होगा। इसके पश्चात ही वे विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विस्तृत विज्ञापन एवं निर्देश आयोग की वेबसाइट https://upessc.up.gov.in/ पर उपलब्ध हैं। आयोग अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अपील की कि आवेदन करने से पूर्व विस्तृत विज्ञापन एवं उसमें दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें तथा निर्धारित अर्हता पूरी करने अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण (ओटीआर) एवं आवेदन प्रारंभ होने की तिथि 05 सितंबर 2026 है। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 04 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है, जबकि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 08 अक्टूबर 2026 होगी। विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन 03 नवंबर 2026 को किया जाएगा। डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि आयोग अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा संबंधी प्रक्रिया को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अभ्यर्थी परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए आयोग की अधिकृत वेबसाइट पर जारी विज्ञापन एवं दिशा-निर्देशों का ही अनुसरण करें।

नौएडा में गहराते बिजली संकट पर नौएडा सिटीजन फोरम की मुख्यमंत्री से मानवीय हस्तक्षेप की अपील, सेक्टर-63, छिजारसी- चोटपुर सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-63, छिजारसी-

चोटपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में जारी गंभीर बिजली संकट से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लगातार विद्युत कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों, महिलाओं, छोटे व्यवसायों तथा आवश्यक गतिविधियों एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री जी से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की अपील की है।

उन्होंने 'उत्तर प्रदेश शासन, ऊर्जा अनुभाग के पत्र संख्या 3376/24-1-2018-03 पी/2018, लखनऊः दिनांक 26 दिसंबर 2018' का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति से जुड़े मामलों में शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आम नागरिकों की कठिनाइयों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाना चाहिए। नौएडा सिटीजन फोरम ने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी कर आम जनता को राहत प्रदान करने का निवेदन किया है।

नोएडा क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत की उम्मीद, मुआवजा दरों में 50फीसदी से अधिक वृद्धि का रास्ता साफ- पंकज सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से

चली आ रही मुआवजा वृद्धि की मांग अब निर्णायक दिशा में आगे बढ़ रही है। नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह के निरंतर प्रयासों और पहल से किसानों की इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक प्रगति हुई है। पंकज सिंह ने अपने सोशल मीडिया माध्यम से जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश एवं प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों के तहत किसानों की मुआवजा वृद्धि की मांग को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में औद्योगिक विकास आयुक्त (आईडीसी) दीपक कुमार एवं नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्ण करुणेश के साथ पूर्व में हुई वार्ताओं को आगे बढ़ाते हुए पुनः सकारात्मक वार्ता हुई। इस दौरान किसानों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वार्ता में अधिकारियों ने किसानों को वर्तमान मुआवजा दरों में सीधे 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने पर सहमति जताते हुए इसे जल्द लागू किए जाने का भरोसा दिया है। इससे नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के सैकड़ों किसान परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों की मुआवजा वृद्धि की मांग लंबे समय से महत्वपूर्ण विषय रही है। नोएडा विधायक पंकज सिंह द्वारा इस मुद्दे को लगातार सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया तथा समाधान के लिए निरंतर संवाद एवं प्रयास किए गए। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप अब इस दिशा में सकारात्मक एवं ठोस प्रगति सामने आई है। मुआवजा दरों में 50 प्रतिशत से अधिक की प्रस्तावित वृद्धि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और उनके परिवारों की खुशहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इससे किसानों को अपनी भूमि के बदले मिलने वाले मुआवजे में उल्लेखनीय वृद्धि का लाभ प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार और विधायक पंकज सिंह के प्रयासों से किसानों की वर्षों पुरानी मांग के समाधान की दिशा में बढ़ा यह कदम नोएडा के किसान परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। किसान हित सर्वोपरि–विकास के साथ सम्मान और अधिकार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम।

प्रयागराज में वकीलों से मारपीट एक विवाद आया, रेस्टोरेंट में कई लोगों से बहस

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में एजी ऑफिस के पास रेस्टोरेंट में वकीलों से मारपीट का मामला तूल पकड़ गया है। वकील विरोध प्रदर्शन कर गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। दूसरे पक्ष ने अपनी सफाई में सीसीटीवी फुटेज जारी किया है। लोकनाथ रेस्टोरेंट पक्ष की ओर से सीसीटीवी फुटेज पुलिस अधिकारियों को भी दी गई है। इस फुजेट में कुछ अन्य लोग जो रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे उनसे भी वकीलों की मारपीट हुई नजर आती है। वकीलों का आरोप, खराब खाना की शिकायत पर मारपीट की गई- कहा जा रहा है विधवा महिला सुनीता चोपड़ा व उसकी बेटी दोनों रेस्टोरेंट का संचालन करती हैं। सीसीटीवी में वहां की कई टेबलों पर मौजूद लोग भी बहस में शामिल होते हैं और मारपीट होने लगी है। इसमें एक शख्स हाथ जोड़ता है। हालांकि वकीलों पर हमला करने वाले उसी रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। अब इस सीसीटीवी की भी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। असल में बुधवार की रात कुछ अधिवक्ता खाना खाने के लिए एजी ऑफिस स्थित रेस्टोरेंट गए थे।

सफाईकर्मी का बेटा बना काशी क्षेत्रीय महामंत्री, अजीत रावत को क्षेत्रीय महामंत्री बनाए जाने पर भाजपा नेतृत्व का जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष एवं सदर ब्लॉक प्रमुख श्री अजीत रावत जी को संगठन द्वारा क्षेत्रीय महामंत्री का दायित्व सौंपे जाने पर उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। अजीत रावत ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए वे सदैव भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें सौंपे गए इस नए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का यह विश्वास उनके लिए केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि जनसेवा और संगठन सेवा का संकल्प है। संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और वे सदैव संगठन के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे। श्री रावत ने कहा कि इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व, क्षेत्रीय नेतृत्व, जिला नेतृत्व एवं सभी शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओं का वे दिल से आभार व्यक्त करते हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता जी समाज कल्याण मंत्री संजीव गौड जी छेत्री सदस्य अशोक मिश्रा जी पूर्व जिला उपाध्यक्ष रमेश पटेल जीसंजीव त्रिपाठी जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा ब्रिजेश श्रीवास्तव शंभू नारायण सिंह अनिल सिंह नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी रजनीश रघुवंशी सह मीडिया प्रभारी अमन मौर्या धीरेंद्र पांडेय अभिषेक गुप्ता अनुपम तिवारी आलोक रावत कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयागराज चौक लगभग 30 लाख रुपये की लागत से आर्य समाज चौक द्वार व नारायण सिंह नगर में विकास कार्यों का लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 'विकास की रफ्तार अब हर गली तक–लगभग 30 लाख रुपये के कार्यों से नारायण सिंह नगर और आर्य समाज चौक को मिली विकास की नई सौगात।' महापौर गणेश केसरवानी ने विभिन्न गली सुधार एवं मुख्य द्वार कार्य जनता को किया समर्पित, क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर आवागमन की सुविधा। नगर निगम प्रयागराज द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने एवं नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। इसी क्रम में जोन-2 के वार्ड संख्या 59 में लगभग 30 लाख रुपये से अधिक की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण महापौर गणेश केसरवानी ने किया और उन्हें क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर महापौर ने आर्य समाज चौक, जीरो रोड के मुख्य द्वार के कार्य का लोकार्पण किया। इसके साथ ही नारायण सिंह नगर में बचपन स्कूल के सामने से जीरो रोड स्थित मकान संख्या 28 तक गली के सुधार कार्य तथा नारायण सिंह नगर में जैन मंदिर से शिव मंदिर होते हुए बादशाही मंडी तक गली सुध ली।

मेदनीखाड़ के बकचढ़वा टोला में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई, शिव शक्ति मां दुर्गा पूजा कमेटी ने किया आयोजन

सोनभद्र। सोनभद्र के दुद्धी विकासखंड की मेदनीखाड़ ग्राम पंचायत के बकचढ़वा टोला में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, पुरुष, युवा और युवतियां शामिल हुए। सभी ने भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की। जन्माष्टमी के मौके पर ग्रामीणों में काफी उत्साह दिखा। लोगों ने श्रद्धा से भगवान श्रीकृष्ण का पूजन किया और सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। इस अवसर पर जगदीश गोंड़, राकेश गोंड़, विनोद गोंड़, रामजन्म गोंड़, जगत गोंड़, सुखलाल गोंड़, सुरेंद्र गोंड़, आलोक गोंड़, दीपक कुमार, संजय सिंह, मनोज, विशाल, रामेश्वर, दिनेश और कमलेश समेत कई अन्य ग्रामीण मौजूद थे।ग्रामीणों ने एकजुट होकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी दिया गया।

जन्माष्टमी पर इलेक्ट्रिक संचालित झांकियां लोगों के बीच बनी आकर्षण का केंद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार शहर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों, के संग कटरा रामलीला में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर आकर्षक झांकियां सजाई गई हैं। इस बार धार्मिक प्रसंगों के साथ नेपाल में आई तबाही का भी दृश्य दिखाया गया है. कटरा रामलीला कमेटी में भगवान कृष्ण के जेल में जन्म और वासुदेव के यमुना पार करने की पारंपरिक झांकी के साथ माखन चोरी और रासलीला दर्शाती झांकी लोगों का ध्यान खींच रही है। वही जनता टीवी से बात करते हुए झांकी बनाने वाले कारीगरों को कहना है कि पिछले 25 दिनों से यह इलेक्ट्रिक से संचालित होने वाली झांकियां बनाई जा रही हैं और लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र है। कटरा रामलीला मैदान और आसपास के पंडालों में इलेक्ट्रॉनिक और स्वचालित झांकियां सजाई गई हैं। इनमें श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद और कालिया नाग दमन जैसे धार्मिक प्रसंगों को जीवंत रूप दिया गया है। वही यहां आए भक्तों को भी यह झांकियां काफी पसंद आई और आध्यात की ओर लोगों को आकर्षित करने वाली यह झांकियां लोगों के बीच अब चर्चा का विषय है। जन्माष्टमी के चलते शहर में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मंदिरों और प्रमुख आयोजन स्थलों पर पुलिस की तैनाती की गई है। देर रात तक भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। शहर के अलग-अलग इलाकों में 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' और 'भारत माता की जय' के जयकारे गूंज रहे हैं। धार्मिक आस्था के साथ देशभक्ति के संदेश से जन्माष्टमी के आयोजन और भी खास नजर आ रहे हैं।

जलभराव प्रभावित परिवारों तक पहुंची प्रशासन की राहत,महाराजगंज व सदर तहसील में 161 राहत किट वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शुक्रवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहदेव मिश्र के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जलभराव से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करते हुए जरूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में महाराजगंज तहसील के ग्राम मून एवं कोटवा मदनिया तथा सदर तहसील के ग्राम लोधीपुर, खुर्राट एवं दीवान का पुरवा में जलभराव से प्रभावित परिवारों को जिला प्रशासन द्वारा कुल 161 राशन किट/ राहत सामग्री वितरित की गईं। राशन किट/ राहत सामग्री के माध्यम से प्रभावित परिवारों को आवश्यक खाद्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें तत्काल सहायता प्रदान की गई। जिला प्रशासन द्वारा जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं राजस्व विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रही हैं तथा जरूरत के अनुसार प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने और उसका वितरण सुनिश्चित कर रही हैं। सदर तहसील क्षेत्र में उपजिलाधिकारी गौतम सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ अंकित पाण्डेय सहित राजस्व विभाग की टीम द्वारा राहत एवं सहायता कार्यों में सक्रिय सहभागिता की जा रही है। टीमों द्वारा प्रभावित परिवारों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली जा रही है तथा आवश्यकतानुसार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

स्पोर्ट्स

मंधाना विमेंस इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटमैन,मिताली का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा शतक भी लगाए-दीप्ति टॉप विकेट टेकर

दुबई। भारत ने विमेंस एशिया कप में हॉन्गकॉन्ग को 137 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने 124 रन की पारी में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। मंधाना विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा। साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वहीं दीप्ति शर्मा महिला टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर बन गई हैं। 1. स्मृति के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 10880 रन-स्मृति 10,880 रन के साथ महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने भारत की ही मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा। मिताली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,868 रन बनाए हैं। 2. स्मृति 18 इंटरनेशनल शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर-स्मृति मंधाना 18 शतकों के साथ महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने टेस्ट में 2, वनडे में 14 और टी-20 में 2 शतक लगाए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग के 17 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा। 3. स्मृति महिला टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली भारतीय-स्मृति मंधाना 95 छक्कों के साथ महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ा। हरमनप्रीत ने टी-20 इंटरनेशनल में 89 छक्के लगाए हैं।4. स्मृति ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर बनाया-स्मृति ने 124 रन के साथ महिला टी-20 एशिया कप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाया। उन्होंने श्रीलंका की चमारी अटापट्टू का रिकॉर्ड तोड़ा।

अटापट्टू ने एशिया कप में नाबाद 119 रन बनाए थे। 5. स्मृति ने चौथी बार एक साल में 500 से ज्यादा रन बनाए-स्मृति मंधाना ने टी-20 के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार 500द्द रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

उन्होंने चौथी बार यह कारनामा किया। उन्होंने 2018, 2022, 2024 और 2026 ऐसा किया।

श्रीलंका की चमारी अटापट्टू 3 बार के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गई हैं। 6. स्मृति ने 93वीं बार 50 प्लस का स्कोर बनाया-स्मृति मंधाना ने 93वां 50प्लस स्कोर बनाया। उन्होंने महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर बनाने के मामले में मिताली राज की बराबरी कर ली है। 7. भारत ने टूर्नामेंट का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बनाया-भारत ने गुरुवार को पारवप्ले में बिना विकेट खोए 60 रन बनाए। यह महिला टी-20 एशिया कप में पावरप्ले का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहले नंबर पर भी भारत ही है। टीम ने अपने पिछले मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1 विकेट पर 65 रन बनाए थे।

वर्ल्ड नंबर-4 ओगर-अलियासिम यूएस ओपन से बाहर,50वें नंबर के खाचानोव ने हराया, स्वियातेक और ओसाका तीसरे राउंड में पहुंची

स्पोर्ट डेस्क। न्यूयॉर्क में गुरुवार को यूएस ओपन 2026 के दूसरे राउंड में उलटफेर हुआ। मेंस सिंगल्स में दुनिया के 50वें नंबर के रूस के करेन खाचानोव ने वर्ल्ड नंबर-4 कनाडा के फेलिक्स ओगर-अलियासिम को 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। पहला सेट गंवाने के बाद खाचानोव ने लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, विमेंस सिंगल्स में इगा स्वियातेक और नाओमी ओसाका भी तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं। पहला सेट गंवाकर खाचानोव ने पलटा मैच-ओगर-अलियासिम ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली थी। खाचानोव ने वापसी करते हुए स्कोर 4-4 किया और पहला सेट टाईब्रेकर तक पहुंचाया। हालांकि, टाईब्रेकर में कनाडाई खिलाड़ी ने सेट जीत लिया।

दूसरे राउंड के इस मुकाबले में इसके बाद खाचानोव ने दबदबा बना लिया। दूसरे सेट में उन्होंने 3-0 की बढ़त बनाकर 6-3 से सेट जीता। तीसरे सेट में 6-2 और चौथे सेट में भी 6-2 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी दूसरी टॉप-10 जीत है। इस जीत के साथ वह एक ही साल में चारों ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंचने वाले खिलाड़ी भी बन गए। तीसरे राउंड में खाचानोव का सामना फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी और पेरू के इग्नासियो बुसे के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। विमेंस सिंगल्सः स्वियातेक सीधे सेटों में जीतीं-विमेंस सिंगल्स में इगा स्वियातेक ने अर्जेंटीना की नाडिया पोडोरोस्का को 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। स्वियातेक ने पहले सेट में 5-3 की बढ़त के बाद सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बढ़त बनाई और आसानी से मुकाबला खत्म कर दिया। तीसरे राउंड में उनका सामना हैरियट डार्ट और 25वीं सीड मारिया बुज्कोवा के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। ओसाका ने तीन सेट में दर्ज की जीत-दो बार की यूएस ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने चेक रिपब्लिक की कतेरीना सिअकोवा को 6-2, 5-7, 6-1 से हराकर विमेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में प्रवेश किया। दूसरे सेट में ओसाका ने सेट गंवा दिया। इसके बाद उन्होंने ब्रेक लेकर खुद को संभाला और निर्णायक सेट 6-1 से जीत लिया। अब ओसाका का सामना बेल्जियम की एलीस मर्टेंस से होगा। सबालेंका की पत्रकार से बहस, बाद में माफी-आर्यना सबालेंका और पत्रकार मैट फटरमैन के बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीखी बहस हुई। फटरमैन ने टूर्नामेंट से पहले ब्रांड इवेंट्स में सबालेंका की मौजूदगी को लेकर सवाल किया था। इस पर सबालेंका ने नाराजगी जताई और कहा कि ब्रांड्स के साथ उनकी गतिविधियों का मतलब यह नहीं है कि वह पार्टियां कर रही थीं।बाद में फटरमैन ने दावा किया कि सबालेंका और उनके एजेंट ने उन्हें मैसेज करके माफी मांगी। सबालेंका लगातार तीसरी यूएस ओपन महिला सिंगल्स ट्रॉफी जीतने की कोशिश में हैं। सभी ब्रिटिश खिलाड़ी तीसरे राउंड से पहले बाहर-फ्रांसेस्का जोन्स की हार के साथ यूएस ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में शामिल सभी नौ ब्रिटिश सिंगल्स खिलाड़ी तीसरे राउंड से पहले बाहर हो गए। विमेंस सिंगल्स में जोन्स को अमेरिका की 18 साल की इवा जोविक ने 6-4, 6-4 से हराया।

सबको खुश रखता हूं, सबकी 'हां में हां' मिलाता हूं, लगता है मेरी अपनी कोई पर्सनैलिटी ही नहीं

नयी दिल्ली। उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर विचार बदलते रहते हैं, ऐसा होना सामान्य बात हो सकती हैं. इस विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 27 साल का हूं और पिछले कुछ समय से एक अजीब बात नोटिस कर रहा हूं। मैं जब अपने परिवार के साथ होता हूं तो एक तरह से व्यवहार करता हूं, दोस्तों के साथ दूसरी तरह से और ऑफिस में एकदम अलग ही इंसान बन जाता हूं। कई बार लगता है कि मैं हर जगह लोगों की अपेक्षाओं के हिसाब से खुद को बदल लेता हूं। प्रॉब्लम ये है कि मुझे समझ नहीं आता कि इनमें से असली मैं कौन हूं। मैं किस तरह का इंसान हूं, मेरी अपनी पसंद-नापसंद क्या हैं। मैं खुद को नहीं जानता। इसलिए भीतर एक अजीब-सा खालीपन महसूस होता है। क्या यह पहचान से जुड़ा संकट है? मैं खुद को कैसे जानूं? मैं क्या करूं? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। 'लोग क्या सोचेंगे?' ये सवाल कुछ लोगों के जीवन और फैसलों को तय करने वाला सबसे बड़ा पैमाना है। ऐसे लोग हर माहौल में खुद को इस तरह ढाल लेते हैं कि सामने वाले को वे बिल्कुल अपने जैसे लगें। दोस्तों के बीच अलग व्यक्तित्व, ऑफिस में अलग, परिवार में अलग और पार्टनर के साथ अलग। ऊपर से वे मिलनसार, आत्मविश्वासी और हर परिस्थिति में एडजस्ट करने वाले नजर आते हैं, लेकिन अंदर-ही-अंदर वे खुद से कहते हैं–'मुझे समझ ही नहीं आता कि असल में मैं हूं कौन।' दूसरों के साथ तालमेल बिठाना अच्छी बात हैं। लेकिन अगर हर रिश्ते में अपनी पहचान और अपने विचार बदलने पड़ें तो यह मानसिक रूप से थका सकता है। स्वस्थ रिश्ते वही हैं, जहां व्यक्ति अपनी असहमति भी सम्मानपूर्वक रख सके। क्या है 'कैमेलियन पर्सनैलिटी'? मनोविज्ञान में इसे 'कैमेलियन पर्सनैलिटी' कहते हैं। यानी ऐसा व्यक्ति, जो हर परिस्थिति और हर व्यक्ति के मुताबिक खुद को बदल लेता है। हालांकि यह कोई मानसिक बीमारी या मनोवैज्ञानिक डायग्नोसिस नहीं है। हर इंसान अलग-अलग परिस्थितियों में अपना व्यवहार बदलता है। हम बॉस से जिस तरह बात करते हैं, उसी तरह अपने दोस्त या परिवार से नहीं करते। यह सामाजिक लचीलापन सामान्य है और जरूरी भी। समस्या तब शुरू होती है, जब एडजेस्टमेंट करते-करते व्यक्ति अपनी असली पहचान, पसंद, सीमाएं और मूल्य ही खोने लगता है। क्या है 'कैमेलियन पर्सनैलिटी'? हरेक के सामने अलग व्यक्तित्व दिखाना। दूसरों को खुश करने के लिए खुद को बदलना। असहमति जताने से डरना। अपनी पसंद-नापसंद दबा लेना। स्वीकृति के लिए अपनी पहचान खोना। कैमेलियन पर्सनैलिटी कब समस्या? कैमेलियन पर्सनैलिटी वाले लोग बाहर से आत्मविश्वासी, मिलनसार और सहयोगी दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर काफी कॉन्फ्लिक्ट चलते रहते हैं। वे अक्सर– सामने सहमति जताते हैं, जबकि अंदर से असहमत होते हैं। दूसरों की पसंद को अपनी पसंद बताने लगते हैं। हर ग्रुप के हिसाब से अपने विचार बदल लेते हैं। अपनी इच्छा बताने से बचते हैं। हर अनुरोध पर 'हां' कह देते हैं और बाद में पछताते हैं।पसंदीदा व्यक्ति की लाइफस्टाइल या व्यक्तित्व की नकल करते हैं। अपनी सीमाएं टूटने पर भी चुप रहते हैं। अकेले होने पर समझ नहीं पाते कि वास्तव में उन्हें क्या पसंद है। मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इस तरह के व्यवहार के पीछे ये संभावित कारण हो सकते हैं- अप्रूवल सीकिंग (हर समय स्वीकृति पाने की चाह) सोशल एंग्जाइटी (सामाजिक चिंता) लो सेल्फ इस्टीम (कम आत्मसम्मान) कंफॉर्मिटी (भीड़ के अनुसार चलने, उनकी बात मानने की प्रवृत्ति) सेल्फ कंसेप्ट (अपनी पहचान को लेकर भ्रम) ये संकेत दिखें तो सावधान हो जाएंः-सामने हां बोलना, पीछे असहमत होना। दूसरों की पसंद को अपनी पसंद बताना। समूह के अनुसार अपने विचार बदलना। अपनी राय देने से बचना। पहले 'हां' कहना, फिर पछताना। किसी की लाइफस्टाइल कॉपी करना। लोग बाउंड्री लांघे तो भी चुप रहना। अपनी इच्छा जरूरत समझ न पाना। हर फैसले पर दूसरों की मंजूरी लेना। लोगों के नाराज होने से डरना। क्यों बनती है 'कैमेलियन पर्सनैलिटी'? ज्यादातर मामलों में यह व्यवहार बचपन के या जीवन के पुराने अनुभवों से सीखा हुआ होता है। अगर बचपन में व्यक्ति ने यह महसूस किया हो कि–केवल आज्ञाकारी होने पर प्यार मिलेगा। गलती करने पर आलोचना होगी। अपनी बात रखने पर डांट पड़ेगी। परिवार में विरोध करना सुरक्षित नहीं है।स्कूल में बुलीइंग या रिजेक्शन झेलना पड़ा हो। कंट्रोल करने वाले रिश्तों में रहना पड़ा हो। तो धीरे-धीरे उसके मन में यह विश्वास बैठ सकता है कि– 'अगर मैं दूसरों जैसा नहीं बनूंगा, तो लोग मुझे स्वीकार नहीं करेंगे।' यह मानसिक चक्र कैसे चलता है? स्थिति- कोई व्यक्ति अपनी मजबूत राय या अपेक्षा सामने रखना चाहता है। मन में आया विचार- 'अगर मैंने ऐसा किया, अगर असहमति जताई तो सामने वाला मुझे पसंद नहीं करेगा।' भावना- डर, चिंता, अपराधबोध या शर्म। व्यवहार- तुरंत सहमति जताना, माफी मांगना या चुप रह जाना। तत्काल नतीजा- तनाव कम होता है और विवाद टल जाता है। लंबे समय में इसका असरः-अगर कोई व्यक्ति हमेशा ही दूसरों से सहमति जता रहा है और अपनी असली भावनाएं नहीं बता रहा है तो लंबे समय में इसका नेगेटिव प्रभाव दिख सकता है। जैसेकि- मन में नाराजगी, मानसिक थकान, कमजोर सेल्फ बाउंड्री, आत्मविश्वास में कमी, अपनी पहचान खोने का एहसास, लोगों से सहमत होना हमेशा समस्या नहीं है। समस्या तब होती है, जब असहमति जताने का विचार ही आपको असुरक्षित महसूस कराने लगे। थेरेपी का उद्देश्य व्यक्ति को झगड़ालू बनाना नहीं, बल्कि उसे अपनी बात सम्मानपूर्वक रखने का आत्मविश्वास देना है। 1950 के दशक का मशहूर प्रयोग पोलिश-अमेरिकी सामाजिक मनोवैज्ञानिक सोलोमन ऐश ने 1950 के दशक में एक प्रसिद्ध प्रयोग किया। इस प्रयोग में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों को तीन रेखाएं दिखाई गईं। एक सीधी रेखा और तीन अन्य रेखाएं। उन्हें बताना था कि कौन-सी रेखा पहली वाली के बराबर लंबी है। इस सवाल का जवाब बेहद आसान था। लेकिन प्रयोग में शामिल अधिकांश लोग असल में रिसर्च टीम का ही हिस्सा थे। उन लोगों ने जानबूझकर गलत उत्तर देना शुरू किया। अब असली प्रतिभागी के सामने दो विकल्प थे– या तो वो अपनी आंखों पर भरोसा करे। या वो भीड़ की बात मान ले। इस प्रयोग का नतीजा चौंकाने वाला था। लगभग 75फीसदी लोगों ने कम-से-कम एक बार भीड़ का गलत जवाब स्वीकार कर लिया। कई लोग जानते थे कि जवाब गलत है, लेकिन वे अलग नहीं दिखना चाहते थे। कुछ लोगों को तो अपनी ही समझ पर शक होने लगा। भीड़ का दबाव कैसे काम करता है? 1. स्वीकृति की चाहः-अलग नहीं दिखना चाहते। डरते हैं- 'लोग क्या कहेंगे।' इसलिए 'हां में हां' मिलाते हैं। 2. खुद पर शकः-खुद पर डाउट करते हैं। अपनी समझ पर यकीन नहीं। दूसरों के पर यकीन है। एक व्यक्ति भी ला सकता है फर्क सोलोमन ऐश के प्रयोग में एक और दिलचस्प बात सामने आई। वो ये कि सिर्फ एक व्यक्ति भी फर्क ला सकता है। उन्होंने इस प्रयोग के दौरान देखा कि अगर भीड़ में सिर्फ एक व्यक्ति भी अलग राय रखता था तो बाकी लोगों के लिए भी स्वतंत्र होकर जवाब देना आसान हो जाता था। यानी अगर सिर्फ एक भरोसेमंद दोस्त, परिवार का सदस्य, काउंसलर या थेरेपिस्ट यह कहे कि– 'तुम्हें अलग सोचने का भी अधिकार है।' –तो व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच पर दोबारा भरोसा करना सीख सकता है। भारतीय परिवारों के संदर्भ में इसे कैसे समझें? भारतीय समाज में ये सब महत्वपूर्ण सामाजिक मूल्य माने जाते हैं- बड़ों का सम्मान परिवार को प्राथमिकता दूसरों के लिए समझौता सामूहिक फैसला इसलिए हर जगह और हरेक स्थिति में दूसरे की बात मान लेना, उसके अनुसार चलना मानसिक समस्या नहीं है। असली सवाल ये है कि- क्या आप अपनी इच्छा से दूसरों की बात मानते हैं, या मना करने से डरते हैं? क्या जरूरत पड़ने पर आप सम्मानपूर्वक 'नहीं' कह सकते हैं? क्या आप अपनी गरिमा और सीमा बचाते हुए रिश्ते निभा सकते हैं? यदि इसका जवाब 'नहीं' है, तो इस पैटर्न पर ध्यान देने की जरूरत है। क्या आप 'कैमेलियन पर्सनैलिटी' हैं? करें सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। नीचे ग्राफिक्स में कुल 12 सवाल हैं। आपको इन सवालों को 0 से 3 के स्केल पर रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपका जवाब 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर आपका जवाब 'लगभग हमेशा' है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। 'कैमेलियन पर्सनैलिटी' को कैसे बदलें? चार हफ्तों का सेल्फ हेल्प प्लान यहां मैं आपको चार हफ्तों का एक सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं। स्टेप-बाय-स्टेप इस प्लान को फॉलो करें और प्रोग्रेस को रोज अपनी डायरी में नोट करें। सप्ताह 1 ः अपनी आदत पहचानें हर दिन किसी एक घटना के बारे में लिखें– वहां क्या हुआ? मेरी असली राय क्या थी? लेकिन मैंने क्या कहा? मुझे किस बात का डर था? क्या मुझे तुरंत राहत महसूस हुई? बाद में इसका क्या नुकसान हुआ?साथ ही डायरी में अपने जीवन के पांच सबसे महत्वपूर्ण मूल्य लिखें, जैसे– ईमानदारी परिवार स्वतंत्रता सीखना करुणा रचनात्मकता आप अपने हिसाब से कुछ भी लिख सकते हैं। फिर अपने लिए जरूरी हरेक मूल्य के लिए एक छोटा कदम तय करें। जैसेकि आप खुद से कह सकते हैं-अगर 'ईमानदारी' महत्वपूर्ण है, तो मैं रोज कम-से-कम एक बार ईमानदारी से अपने मन की बात जरूर कहूंगा। दूसरा सप्ताहः अपने डर को चुनौती दें-जब भी लगे कि सामने वाला नाराज हो जाएगा तो खुद से पूछें–क्या मेरे डर का कोई ठोस सबूत है? क्या इसका उल्टा भी संभव है? क्या मैं बिना वजह सबसे बुरा सोच रहा हूं? अगर किसी और ने राय न दी होती तो मैं क्या सोचता? क्या मैं सचमुच सहमत हूं या सिर्फ डर रहा हूं? फिर छोटी-छोटी शुरुआत करें– अपनी पसंद का खाना चुनें। किसी एक्टिविटी का सुझाव दें। किसी बात पर विनम्र असहमति जताएं। तीसरा सप्ताहः सम्मानपूर्वक 'ना' कहना सीखें ऐसे वाक्य बोलने का अभ्यास करें–'मैं आपकी बात समझता, लेकिन मेरी राय अलग है।' 'धन्यवाद, लेकिन मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा।' 'मैं आपकी बात का सम्मान करता हूं, फिर भी मेरी पसंद अलग है।' चौथा सप्ताहः अपनी पहचान मजबूत करें अपनी डायरी में इन वाक्यों को पूरा करें– मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे वास्तव में पसंद है। मैं यह बिल्कुल स्वीकार नहीं करूंगा कि। मैं ऐसा इंसान बनना चाहता हूं, जो। किसी भी बड़े फैसले से पहले खुद से ये 4 सवाल पूछें–अगर कोई मुझे देख नहीं रहा होता, तब भी क्या मैं यही फैसला लेता? क्या यह मेरे मूल्यों से मेल खाता है? क्या मैं यह अपनी इच्छा से कर रहा हूं या अस्वीकृति के डर से? अगर असहमति जताना पूरी तरह सुरक्षित होता, तो मैं क्या चुनता? प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? शुरुआती स्तर पर इस पैटर्न को समझकर और कुछ सेल्फ-हेल्प उपाय अपनाकर काफी सुधार किया जा सकता है।

चीन के भीमकाय बांध दुनिया के लिए वाटर-बम साबित होंगे

क्या आप जानते हैं दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के लिए चीन ने कौन-सी जगह चुनी है? यह दुनिया के सबसे जटिल

भू-राजनीतिक और भूकंपीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में से है। भारत की सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक अभूतपूर्व परियोजना का निर्माण कर रहा है। यह दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर बहने वाली प्रमुख नदी है। इसे ही भारत में ब्रह्मपुत्र कहते हैं। यह विशाल बांध बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में चीन के थ्री गॉर्जेज डैम को भी बहुत पीछे छोड़ देगा, जो फिलहाल दुनिया का सबसे बड़ा बांध है। इसका जलाशय भारत के पूर्वोत्तर और डेल्टाई बांग्लादेश में रहने वाली करोड़ों की आबादी के ऊपर पानी का एक विशाल भंडार रोककर रखेगा। इसको लेकर सबसे चिंताजनक चेतावनियां विदेशी आलोचकों नहीं, चीन के अपने वैज्ञानिकों की ओर से आ रही हैं। एक हालिया शोधपत्र ने निर्माण स्थल पर गंभीर भूगर्भीय खतरों की पहचान की है। भूवैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि यहां की भू-संरचना नाजुक है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यहां आने वाले भूकंप बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं, क्योंकि उससे जलाशय और आसपास का बुनियादी ढांचा, दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। लेखकों ने जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, रिटेनिंग संरचनाएं स्थापित करने और आपदा के जोखिम को कम करने के लिए परियोजना के प्रमुख हिस्सों को नए सिरे से डिजाइन करने की सिफारिश की है। जब किसी कम्युनिस्ट शासन के अधीन काम कर रहे वैज्ञानिक ऐसी चेतावनियां जारी करें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन पर ध्यान देना ही चाहिए। नया बांध ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बेंड पर बन रहा है, जहां भारत में प्रवेश करने से पहले नदी दुनिया की सबसे गहरी और सबसे लंबी घाटी से होकर तीव्र ढलान के साथ नीचे उतरती है। यह हिमालयी भूकंपीय पट्टी के ठीक बीच स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों की धीमी गति से हो रही टक्कर के कारण बनी है। यह पृथ्वी के सबसे अधिक भूकंप-संभावित क्षेत्रों में से एक है और यहां विनाशकारी भूकंप आने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। खतरा केवल इतना नहीं है कि भूकंप किसी बांध को नुकसान पहुंचा सकता है। एक विशाल जलाशय खुद भी भूगर्भीय दबाव बढ़ाकर भूकंप को जन्म दे सकता है। इसका एक संभावित उदाहरण चीन में सामने आया था। आधुनिक चीन के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक में 2008 में तिब्बती पठार के पूर्वी किनारे पर आए भूकंप में कई लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकांश सिचुआन प्रांत के थे। वैज्ञानिक आज भी इसके कारणों को लेकर बहस करते हैं, लेकिन एक प्रभावशाली शोध का निष्कर्ष था कि शायद नए जिपिंगपू बांध के जलाशय में जमा पानी के विशाल भार ने नीचे स्थित एक दरार पर दबाव बढ़ाया हो और संभवतः उस भूकंप को दशकों या सदियों पहले ही ला दिया हो। लेकिन इस वैज्ञानिक संभावना का गंभीरता से सामना करने के बजाय चीन ने इससे भी कहीं बड़ी बांध परियोजना शुरू कर दी है, वह भी इससे अधिक नाजुक भूगर्भीय क्षेत्र में। लेकिन हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे। वर्ष 2025 में आया शक्तिशाली म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है। इसके झटके करीब 1,000 किलोमीटर दूर बैंकॉक तक महसूस हुए थे और वहां एक ऊंची इमारत ढह गई थी। ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। भारत में यह खेतों की सिंचाई करती है, मत्स्य-पालन को सहारा देती है और लाखों लोगों की आजीविका का आधार है। बांग्लादेश में यह मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है।

चीन द्वारा मेकांग नदी पर बनाए गए विशाल बांधों की तरह यह सुपर-डैम भी सीमा-पार नदी प्रवाह को बदलने और पोषक तत्वों से भरपूर तलछट के निचले इलाकों तक पहुंचने को कम करने का खतरा पैदा करता है। जलाशय में रोके पानी को आपात-स्थिति में छोड़ना भी घनी आबादी वाले निचले मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ ला सकता है।

तिब्बत में इंजीनियरिंग की एक विफलता से शुरू होने वाली घटना बांग्लादेश तक फैली मानवीय त्रासदी में बदल सकती है।

यह साफ है कि चीन ने पानी को कूटनीतिक दबाव का एक और औजार बना दिया है। हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे। वर्ष 2025 में आया म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट, ब्रह्मा चेलानी)

महिलाओं के पक्ष में एक नई राजनीतिक भाषा सुनाई दी है

कुछ दिनों पहले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान पुणे में युवा महिलाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा

कि भारत में आदर्श नारी को तीन वर्गों में डाल दिया जाता है, उसे सिर्फ बेटी, पत्नी या मां के रूप में देखा जाता है। राहुल ने आगे कहा कि इनमें से किसी एक के रूप में देखे जाने में कोई गलत बात नहीं है, लेकिन यही आपकी एकमात्र पहचान नहीं हो सकती। कई महिलाएं बेहतरीन प्रोफेशनल होती हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं और सपने इन पारंपरिक भूमिकाओं से आगे हैं। लेकिन अपने लक्ष्यों को हासिल करने की उनकी कोशिश अक्सर उन रुकावटों से भरी होती है, जो समाज और उसे चलाने वाली सोच उनके सामने खड़ी करती है। इन रुकावटों और इस सोच के खिलाफ लड़ना और उन्हें दूर करना जरूरी है। महिला दर्शकों की जोरदार तालियों के बीच राहुल का आखिरी संदेश था : 'पिंजरा तोड़ो, पितृसत्ता को खत्म करो।' अब तक इस तरह की बातें दुनिया भर में अकादमिक सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में लगातार सुनने को मिलती रही हैं। लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है, पहली बार इन्हें भारत की मुख्यधारा की राजनीति में लाया गया है। अकादमिक और राजनीतिक मुख्यधारा अक्सर सामाजिक और राजनीतिक जीवन के दो अलग-अलग हिस्से होते हैं। अमेरिका की आईवी लीग यूनिवर्सिटीज में 'मागा' की सोच का बहुत कम या बिल्कुल असर दिखाई नहीं देता। भारत में जेएनयू को भी अक्सर एक अलग दुनिया माना गया है। केरल या बंगाल (जब राज्य में सीपीएम की सरकार थी) को छोड़ दें तो जेएनयू की राजनीतिक संस्कृति का राष्ट्रीय मुख्यधारा से बहुत कम मेल रहा है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (और सोशियोलॉजी) का रिकॉर्ड भी कुछ ऐसा ही रहा है- मुख्यधारा की राजनीति में उसकी भूमिका शायद ही कभी उसकी बौद्धिक चमक के बराबर रही हो। इसलिए राहुल गांधी का पितृसत्ता के खिलाफ कदम नया और अलग है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पितृसत्ता को खत्म करो की अपील को ऊपर से थोपी गई कोई बौद्धिक बात न माना जाए, जिसका महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं हो,

पुणे में राहुल का बात रखने का तरीका काफी अलग था। उन्होंने इसे किसी यूनिवर्सिटी की ऊंची अकादमिक दुनिया से सीधे निकले राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि एक बड़े जन-कार्यक्रम की तरह पेश किया। मंच पर कई युवा महिलाओं को बुलाया गया था। इनमें लगभग सभी छात्राएं या हाल ही में पढ़ाई पूरी करने वाली युवा महिलाएं थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और दूसरे लक्ष्यों के बारे में बताया और उन रुकावटों के बारे में भी बताया, जिनका उन्हें सामना करना पड़ता है। इनमें शहर और गांव, दोनों जगहों से आई महिलाएं थीं। कुछ अंग्रेजी अच्छी तरह बोल रही थीं, कुछ हिंदी में और कुछ मराठी में। कुछ ऊपरी-मध्यम वर्ग के परिवारों से थीं; एक आदिवासी महिला थीं और एक महाराष्ट्र के एक छोटे शहर के एक सफाई कर्मचारी की बेटी थीं। सफाईकर्मी की बेटी ने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया से पढ़ाई की थी और पत्रकार बनना चाहती हैं, लेकिन उन्हें बार-बार कहा जाता है कि वे पत्रकार नहीं बन सकतीं, उन्हें शादी के बारे में सोचना चाहिए। सभी महिलाओं ने अपनी बात इस तरह रखी कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पितृसत्ता के बुरे असर को समझा जा सके। उन्होंने बताया कि गांव से बाहर के स्कूलों में जाना कितना मुश्किल है; सार्वजनिक परिवहन कितना असुरक्षित है, चाहे बसें भरी हों या खाली; सोशल मीडिया का इस्तेमाल उन्हें शर्मिंदा करने और दबाव बनाने के लिए कैसे किया जाता है। सिर्फ लिखकर ट्रोल करने के जरिए नहीं, बल्कि तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ करके भी; महिला वकीलों को कमतर मानने वाली सोच के कारण कानूनी मामले योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि जेंडर के आधार पर दिए जाते हैं; कैसे नागरिक के तौर पर अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी जाती है और कहा जाता है कि महिलाओं को अभिव्यक्ति की इतनी स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। इस कार्यक्रम का मकसद सिर्फ किसी विचार को उदाहरणों के जरिए समझाना नहीं था। इस कवायद का मकसद गहराई से राजनीतिक था। बंगाल में जीत के बाद बीजेपी का राजनीतिक प्रभाव बहुत बढ़ गया था। लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन- खासकर जंतर-मंतर का प्रदर्शन- ने देश में राजनीतिक विमर्श को बदला है। इसी मौके का फायदा उठाते हुए राहुल गांधी राजनीतिक बहस में बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 में कई विधानसभा चुनाव होने हैं और छात्र व महिलाएं यकीनन एक महत्वपूर्ण वोटर समूह हैं। अब तक जिस तरह की बातें अकादमिक सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में सुनने को मिलती थीं, उन्हें पहली बार मुख्यधारा की राजनीति में लाया गया है। देखना होगा कि पितृसत्ता को खत्म करो वाले संदेश का महिलाओं पर क्या असर होता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,आशुतोष वार्ष्णेय)

इंडस्ट्री 5.0 और भविष्य का स्नातकः तकनीक के साथ मानवीय क्षमता का नया संतुलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। कौशाकी सोंधी,- डीन- प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, महाराष्ट्र, व्यक्तित्व विकास, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, कॉरपोरेट प्रशिक्षक और विद्यार्थी मार्गदर्शक हैं। शिक्षा, कौशल विकास, करियर निर्माण और उद्योग-शिक्षा समन्वय के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाली सोंधी ने विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय और कॉरपोरेट जगत तक विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं में कार्य किया है। वे शारदा विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण एवं विकास विभाग की प्रमुख प्रशिक्षक, आईआईएमटी समूह के महाविद्यालयों में प्रमुख प्रशिक्षक, मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी परामर्शदाता, होली पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य तथा बॉम्बे पेपर मिल्स लिमिटेड, मुंबई में अधिगम एवं विकास प्रबंधक के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वे नीति आयोग की 'मेंटोर ऑफ चेंज', सिम्बायोसिस सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन की मार्गदर्शक तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों की सलाहकार एवं मार्गदर्शक रही हैं। वे भारत विश्वविद्यालय, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज तथा भारत इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित अनेक संस्थानों से शैक्षणिक एवं सलाहकार भूमिकाओं में जुड़ी रही हैं। साथ ही, वे अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद की राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण उपाध्यक्ष तथा वूमेन इंडिया काउंसिल ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से भी नेतृत्वकारी भूमिका में जुड़ी हैं।कौशाकी सोंधी कहती हैं, 'वर्ष 2026 का रोजगार बाजार विद्यार्थियों से केवल डिग्री नहीं, बल्कि अपनी उपयोगिता सिद्ध करने की क्षमता मांग रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि विद्यार्थी ने क्या पढ़ा है, बल्कि यह है कि वह अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक समस्या को हल करने, तकनीक के साथ काम करने और संगठन के लिए मूल्य पैदा करने में कितना कर सकता है।' आज रोजगार की दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, रोबोटिक्स, बड़े आंकड़े, क्लाउड तकनीक और डिजिटल कार्यप्रणालियां पारंपरिक नौकरियों और भूमिकाओं की प्रकृति बदल रही हैं। इसी बदलते परिदृश्य में इंडस्ट्री 5.0 की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। सोंधी के अनुसार, इंडस्ट्री 5.0 केवल अधिक उन्नत तकनीक की कहानी नहीं है; यह ङङमनुष्य और मशीन के बीच बेहतर सहयोग की कहानी है। 'मशीनें गति, गणना और स्वचालन दे सकती हैं, लेकिन रचनात्मक सोच, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिक निर्णय और मानवीय समझ को विकसित करना अभी भी शिक्षा की जिम्मेदारी है,' वे कहती हैं। उनके अनुसार, इसका सीधा प्रभाव महाविद्यालयों की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट व्यवस्था पर पड़ रहा है। 2026 में प्लेसमेंट की तैयारी अंतिम वर्ष से शुरू करना देर से शुरू करना है।विद्यार्थी के पहले वर्ष से ही उसकी रुचि, क्षमता और करियर लक्ष्य को पहचानकर कौशल विकास की दिशा तय करनी होगी। संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, तार्किक क्षमता, समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण, साक्षात्कार, डिजिटल दक्षता और व्यावसायिक शिष्टाचार जैसी क्षमताओं को पाठ्यक्रम के समान ही महत्व देना होगा। इंटर्नशिप को लेकर सोंधी का दृष्टिकोण स्पष्ट है–'इंटर्नशिप प्रमाण-पत्र नहीं, अनुभव की प्रयोगशाला होनी चाहिए।' उनके अनुसार, 2026 में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कंप्यूटर अनुप्रयोग, फार्मेसी, विज्ञान, मानविकी, डिजाइन और अन्य सभी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वास्तविक उद्योग अनुभव की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को केवल उपस्थिति पूरी करने वाली इंटर्नशिप के बजाय लाइव प्रोजेक्ट, उद्योग आधारित समस्या, शोध कार्य, ग्राहक संवाद, आंकड़ों का विश्लेषण, क्षेत्रीय कार्य और परिणाम आधारित जिम्मेदारियां मिलनी चाहिए। ऐसी इंटर्नशिप विद्यार्थी को केवल नौकरी के लिए तैयार नहीं करती, बल्कि उसे पेशेवर दुनिया की वास्तविक अपेक्षाओं को समझने का अवसर देती है। कई मामलों में यही अनुभव पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव तक भी पहुंचा सकता है। सोंधी आगे बताती हैं कि कैंपस प्लेसमेंट का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। कंपनियां अब केवल शैक्षणिक अंक और पारंपरिक साक्षात्कार के आधार पर उम्मीदवारों का चयन नहीं कर रहीं। ऑनलाइन मूल्यांकन, कौशल

आधारित परीक्षण, परिस्थिति आधारित प्रश्न, समूह चर्चा, तकनीकी साक्षात्कार, व्यवहारिक मूल्यांकन और डिजिटल माध्यमों से भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा पास करने के बजाय स्वयं को बहुआयामी पेशेवर के रूप में प्रस्तुत करना सीखना होगा। 'हर स्ट्रीम के विद्यार्थी के लिए रोजगार की भाषा अलग हो सकती है, लेकिन रोजगार-योग्यता की बुनियादी भाषा लगभग समान है,' सोंधी कहती हैं। इंजीनियरिंग और कंप्यूटर से जुड़े विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रोग्रामिंग, साइबर सुरक्षा, क्लाउड और आंकड़ा विश्लेषण जैसी तकनीकी दक्षताएं महत्वपूर्ण हैं। प्रबंधन विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक विश्लेषण, डिजिटल विपणन, वित्तीय समझ, नेतृत्व और निर्णय क्षमता आवश्यक हैं। वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए वित्तीय तकनीक, आंकड़ा विश्लेषण, डिजिटल लेखांकन और व्यावसायिक संचार उपयोगी हैं। फार्मेसी और विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान, आंकड़ा-आधारित सोच, प्रयोगशाला कौशल और उद्योग संबंधी समझ महत्वपूर्ण होती जा रही है। वहीं मानविकी के विद्यार्थियों की संचार, शोध, रचनात्मकता, सामाजिक समझ और आलोचनात्मक चिंतन जैसी क्षमताएं डिजिटल युग में नई संभावनाएं पैदा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव पर सोंधी कहती हैं कि विद्यार्थियों को एआई से डरने के बजाय एआई के साथ काम करना सीखना चाहिए। एआई जीवन-वृत्त तैयार करने, जानकारी खोजने, विश्लेषण करने, प्रस्तुति बनाने और सीखने की प्रक्रिया को आसान बना सकता है, लेकिन विद्यार्थी की मौलिक सोच और सत्यापन की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। 'एआई का उपयोग करने वाला विद्यार्थी आगे बढ़ सकता है, लेकिन एआई पर पूरी तरह निर्भर विद्यार्थी अपनी निर्णय क्षमता खो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता के साथ डिजिटल नैतिकता और आलोचनात्मक सोच अनिवार्य है,' वे स्पष्ट करती हैं। उनके अनुसार, आने वाले समय में मानवीय कौशल का महत्व कम नहीं बल्कि अधिक होगा। रचनात्मकता, संवाद, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व, सहयोग, समस्या समाधान, अनुकूलनशीलता और सीखने की इच्छा वे क्षमताएं हैं जो किसी विद्यार्थी को बदलती तकनीक के बीच भी प्रासंगिक बनाए रखेंगी। यही इंडस्ट्री 5.0 का मूल संदेश है–तकनीक को मानव क्षमता का विकल्प नहीं, बल्कि विस्तार बनाना। सोंधी का मानना है कि उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती ङङशिक्षा और रोजगार के बीच मौजूद अंतर को कम करना है। इसके लिए उद्योग विशेषज्ञों को कक्षा से जोड़ना, नियमित कौशल प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप, वास्तविक परियोजनाएं, प्रमाणित कौशल कार्यक्रम, पूर्व-नियुक्ति प्रशिक्षण, करियर परामर्श और निरंतर उद्योग संवाद आवश्यक हैं। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग को केवल कंपनियों को बुलाकर भर्ती कराने वाली इकाई के रूप में नहीं, बल्कि विद्यार्थी के संपूर्ण करियर विकास का रणनीतिक केंद्र बनाया जाना चाहिए। 'आज का विद्यार्थी केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि भविष्य का समस्या-समाधानकर्ता, नवोन्मेषक और जिम्मेदार पेशेवर है,' सोंधी कहती हैं। उनके अनुसार, कॉलेजों को विद्यार्थियों में तीन समानांतर क्षमताएं विकसित करनी होंगी–क्या जानना है, क्या करना है और कैसे बेहतर इंसान बनकर करना है। इंडस्ट्री 5.0 के दौर में भविष्य का सफल स्नातक वही होगा जो तकनीक को समझता हो, लेकिन तकनीक से आगे सोच भी सकता हो; जो एआई का उपयोग कर सकता हो, लेकिन अपनी स्वतंत्र सोच भी रखता हो; जो अपने विषय में दक्ष हो, लेकिन दूसरे क्षेत्रों के साथ सहयोग भी कर सकता हो; और जो नौकरी खोजने के साथ-साथ नए अवसरों का निर्माण करने की क्षमता भी रखता हो। कौशाकी सोंधी के शब्दों में, 'भविष्य की शिक्षा का लक्ष्य केवल रोजगार प्राप्त करने वाले स्नातक तैयार करना नहीं होना चाहिए। हमारा लक्ष्य ऐसे 'भविष्य-तैयार' पेशेवर तैयार करना होना चाहिए, जो तकनीकी रूप से सक्षम, मानवीय रूप से संवेदनशील, नैतिक रूप से मजबूत और लगातार सीखने के लिए तैयार हों। यही इंडस्ट्री 5.0 के युग में शिक्षा, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट की वास्तविक सफलता होगी।' मनुष्य और मशीन के बीच बेहतर सहयोग की कहानी है। 'मशीनें गति, गणना और स्वचालन दे सकती हैं, लेकिन रचनात्मक सोच, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिक निर्णय और मानवीय समझ को विकसित करना अभी भी शिक्षा की जिम्मेदारी है,' वे कहती हैं। उनके अनुसार, इसका सीधा प्रभाव महाविद्यालयों की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट व्यवस्था पर पड़ रहा है। 2026 में प्लेसमेंट की तैयारी अंतिम वर्ष से शुरू करना देर से शुरू करना है। विद्यार्थी के पहले वर्ष से ही उसकी रुचि, क्षमता और करियर लक्ष्य को पहचानकर कौशल विकास की दिशा तय करनी होगी। संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, तार्किक क्षमता, समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण, साक्षात्कार, डिजिटल दक्षता और व्यावसायिक शिष्टाचार जैसी क्षमताओं को पाठ्यक्रम के समान ही महत्व देना होगा। इंटर्नशिप को लेकर सोंधी का दृष्टिकोण स्पष्ट है–'इंटर्नशिप प्रमाण-पत्र नहीं, अनुभव की प्रयोगशाला होनी चाहिए।' उनके अनुसार, 2026 में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कंप्यूटर अनुप्रयोग, फार्मेसी, विज्ञान, मानविकी, डिजाइन और अन्य सभी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वास्तविक उद्योग अनुभव की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को केवल उपस्थिति पूरी करने वाली इंटर्नशिप के बजाय लाइव प्रोजेक्ट, उद्योग आधारित समस्या, शोध कार्य, ग्राहक संवाद, आंकड़ों का विश्लेषण, क्षेत्रीय कार्य और परिणाम आधारित जिम्मेदारियां मिलनी चाहिए। ऐसी इंटर्नशिप विद्यार्थी को केवल नौकरी के लिए तैयार नहीं करती, बल्कि उसे पेशेवर दुनिया की वास्तविक अपेक्षाओं को समझने का अवसर देती है। कई मामलों में यही अनुभव पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव तक भी पहुंचा सकता है। सोंधी आगे बताती हैं कि कैंपस प्लेसमेंट का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। कंपनियां अब केवल शैक्षणिक अंक और पारंपरिक साक्षात्कार के आधार पर उम्मीदवारों का चयन नहीं कर रहीं। ऑनलाइन मूल्यांकन, कौशल आधारित परीक्षण, परिस्थिति आधारित प्रश्न, समूह चर्चा, तकनीकी साक्षात्कार, व्यवहारिक मूल्यांकन और डिजिटल माध्यमों से भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा पास करने के बजाय स्वयं को बहुआयामी पेशेवर के रूप में प्रस्तुत करना सीखना होगा। 'हर स्ट्रीम के विद्यार्थी के लिए रोजगार की भाषा अलग हो सकती है, लेकिन रोजगार-योग्यता की बुनियादी भाषा लगभग समान है,' सोंधी कहती हैं। इंजीनियरिंग और कंप्यूटर से जुड़े विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रोग्रामिंग, साइबर सुरक्षा, क्लाउड और आंकड़ा विश्लेषण जैसी तकनीकी दक्षताएं महत्वपूर्ण हैं। प्रबंधन विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक विश्लेषण, डिजिटल विपणन, वित्तीय समझ, नेतृत्व और निर्णय क्षमता आवश्यक हैं। वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए वित्तीय तकनीक, आंकड़ा विश्लेषण, डिजिटल लेखांकन और व्यावसायिक संचार उपयोगी हैं। फार्मेसी और विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान, आंकड़ा-आधारित सोच, प्रयोगशाला कौशल और उद्योग संबंधी समझ महत्वपूर्ण होती जा रही है। वहीं मानविकी के विद्यार्थियों की संचार, शोध, रचनात्मकता, सामाजिक समझ और आलोचनात्मक चिंतन जैसी क्षमताएं डिजिटल युग में नई संभावनाएं पैदा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव पर सोंधी कहती हैं कि विद्यार्थियों को एआई से डरने के बजाय एआई के साथ काम करना सीखना चाहिए। एआई जीवन-वृत्त तैयार करने, जानकारी खोजने, विश्लेषण करने, प्रस्तुति बनाने और सीखने की प्रक्रिया को आसान बना सकता है, लेकिन विद्यार्थी की मौलिक सोच और सत्यापन की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। 'एआई का उपयोग करने वाला विद्यार्थी आगे बढ़ सकता है, लेकिन एआई पर पूरी तरह निर्भर विद्यार्थी अपनी निर्णय क्षमता खो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता के साथ डिजिटल नैतिकता और आलोचनात्मक सोच अनिवार्य है,' वे स्पष्ट करती हैं। उनके अनुसार, आने वाले समय में मानवीय कौशल का महत्व कम नहीं बल्कि अधिक होगा। रचनात्मकता, संवाद, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व, सहयोग, समस्या समाधान, अनुकूलनशीलता और सीखने की इच्छा वे क्षमताएं हैं जो किसी विद्यार्थी को बदलती तकनीक के बीच भी प्रासंगिक बनाए रखेंगी। यही इंडस्ट्री 5.0 का मूल संदेश है–तकनीक को मानव क्षमता का विकल्प नहीं, बल्कि विस्तार बनाना। सोंधी का मानना है कि उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा और रोजगार के बीच मौजूद अंतर को कम करना है। इसके लिए उद्योग विशेषज्ञों को कक्षा से जोड़ना, नियमित कौशल प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप, वास्तविक परियोजनाएं, प्रमाणित कौशल कार्यक्रम, पूर्व-नियुक्ति प्रशिक्षण, करियर परामर्श और निरंतर उद्योग संवाद आवश्यक हैं। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग को केवल कंपनियों को बुलाकर भर्ती कराने वाली इकाई के रूप में नहीं, बल्कि विद्यार्थी के संपूर्ण करियर विकास का रणनीतिक केंद्र बनाया जाना चाहिए। 'आज का विद्यार्थी केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि भविष्य का समस्या-समाधानकर्ता, नवोन्मेषक और जिम्मेदार पेशेवर है,' सोंधी कहती हैं। उनके अनुसार, कॉलेजों को विद्यार्थियों में तीन समानांतर क्षमताएं विकसित करनी होंगी–क्या जानना है, क्या करना है और कैसे बेहतर इंसान बनकर करना है।

इंडस्ट्री 5.0 के दौर में भविष्य का सफल स्नातक वही होगा जो तकनीक को समझता हो, लेकिन तकनीक से आगे सोच भी सकता हो; जो एआई का उपयोग कर सकता हो, लेकिन अपनी स्वतंत्र सोच भी रखता हो; जो अपने विषय में दक्ष हो, लेकिन दूसरे क्षेत्रों के साथ सहयोग भी कर सकता हो; और जो नौकरी खोजने के साथ-साथ नए अवसरों का निर्माण करने की क्षमता भी रखता हो। कौशाकी सोंधी के शब्दों में, 'भविष्य की शिक्षा का लक्ष्य केवल रोजगार प्राप्त करने वाले स्नातक तैयार करना नहीं होना चाहिए। हमारा लक्ष्य ऐसे 'भविष्य-तैयार' पेशेवर तैयार करना होना चाहिए, जो तकनीकी रूप से सक्षम, मानवीय रूप से संवेदनशील, नैतिक रूप से मजबूत और लगातार सीखने के लिए तैयार हों। यही इंडस्ट्री 5.0 के युग में शिक्षा, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट की वास्तविक सफलता होगी।'

36 हज़ार किमी से तस्वीरें लेने वाला पहला भारतीय सैटेलाइट लॉन्च, पाकिस्तान-चीन पर लगातार रखेगा नजर, आपदा से पहले अलर्ट में करेगा मदद

श्रीहरिकोटा। ईओएस-05 लॉन्च के करीब 18 मिनट बाद सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर

ऑर्बिट में पहुंचा दिया गया। इसके बाद सैटेलाइट को 36000किमी पर मौजूद अपनी अंतिम कक्षा तक पहुंचना है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में क्या फायदा है?जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट पृथ्वी से करीब 35,786 किमी ऊपर की कक्षा है। इसमें सैटेलाइट पृथ्वी का एक चक्कर करीब 24 घंटे में पूरा करता है। यानी उसकी गति पृथ्वी के घूमने के साथ बनी रहती है। वहीं, लियो (लो-अर्थ ऑर्बिट) पृथ्वी के काफी करीब होती है और आमतौर पर 2,000 किमी से कम ऊंचाई पर होती है। यहां सैटेलाइट बहुत तेजी से पृथ्वी का चक्कर लगाता है, इसलिए वह किसी एक इलाके के ऊपर थोड़े समय के लिए ही रहता है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट का फायदा यह है कि सैटेलाइट भारत और आसपास के बड़े इलाके पर लगातार नजर रख सकता है। इसकी तस्वीरों और डेटा से चक्रवात, भारी बारिश, बाढ़ और जंगल की आग जैसे खतरों की पहचान, निगरानी और नुकसान का आकलन तेजी से किया जा सकेगा। दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी-ईओएस-05 में दो मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर यानी ऐसे कैमरे लगे हैं, जो धरती की तस्वीरें अलग-अलग तरह की प्रकाश तरंगों में लेते हैं।

इससे सामान्य तस्वीर के अलावा जमीन, पेड़-पौधों, पानी और पर्यावरण में हो रहे बदलावों की जानकारी मिल सकती है। इनमें से एक इमेजर की रिज़ॉल्यूशन 42 मीटर प्रति पिक्सल है, यानी तस्वीर का एक पिक्सल जमीन के करीब 42 गुड़े 42 मीटर हिस्से की जानकारी देता है।

ईओएस-05 की खासियत बहुत छोटी चीजों की बारीक तस्वीर लेना नहीं, बल्कि करीब 36 हजार किमी की ऊंचाई से बड़े इलाके की बार-बार तस्वीरें लेना है।

2021 में जीआईएसएटी-1 मिशन हुआ था फेल-अगस्त 2021 में इसरो ने जीएसएलवी-एफ10 से जीआईएसएटी-1 लॉन्च करने की कोशिश की थी।

क्रायोजेनिक स्टेज में रॉकेट को समस्या आने के बाद मिशन फेल हो गया था। इसके चलते सैटेलाइट ऑर्बिट तक नहीं पहुंच पाया। जीआईएसएटी-1 को जियोस्टेशनरी ऑर्बिट से भारतीय उपमहाद्वीप की करीब-करीब रियल टाइम इमेजिंग के लिए तैयार किया गया था। इसरो के पिछले 2 लॉन्च फेल हुएः- पीएसएलवी-सी62- 12 जनवरी 2026 को यह रॉकेट रक्षा डीआरडीओ के 'अन्वेषा' उपग्रह और 15 अन्य उपग्रहों को ले जा रहा था, लेकिन तीसरे चरण में बेकाबू होने के कारण मिशन फेल हो गया। पीएसएलवी-सी61-18 मई 2025 को इस मिशन का उद्देश्य अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-09 को कक्षा में स्थापित करना था, लेकिन तीसरे चरण में कंबशन चैंबर प्रेशर अचानक गिरने से मिशन असफल रहा।

पुतिन बोले- रूसी जहाजों को जब्त करना आतंकवाद है,इससे यूक्रेन जंग कभी खत्म नहीं होगी

मॉस्को।पुतिन बोले- यूक्रेन ने 100 रूसी जहाजों पर हमले किए- पुतिन ने कहा कि उनकी नाराजगी

सिर्फ नॉर्वे द्वारा जहाज जब्त किए जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यूक्रेन अब समुद्र में रूसी नागरिक जहाजों को सीधे निशाना बना रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 40 दिनों के भीतर लगभग 100 रूसी व्यापारिक जहाजों पर हमले किए गए, जिनमें कई रूसी व विदेशी नाविकों की जान गई है। पुतिन ने चेतावनी दी कि रूस दुनिया के किसी भी कोने में इसका करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अमेरिका से बातचीत का रास्ता अभी बंद नहीं हुआ-यूक्रेन के साथ शांति वार्ता को लेकर भले ही मुश्किलें बढ़ रही हों, लेकिन पुतिन ने अमेरिका के साथ बातचीत का रास्ता खुला होने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच संपर्क लगातार बना हुआ है और मॉस्को, वॉशिंगटन के साथ रिश्ते फिर सामान्य करना चाहता है। पुतिन ने यह भी साफ किया कि इसके लिए सिर्फ रूस की इच्छा काफी नहीं है। अमेरिका को भी इसके लिए तैयार होना होगा। पुतिन ने ट्रम्प के रुख को लेकर कहा कि उनकी समझ के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति सकारात्मक बातचीत के पक्ष में हैं। उन्होंने बताया कि दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों के बीच संपर्क जारी है। ट्रम्प के दूत भी रूस के संपर्क में हैं। इसी बीच पिछले हफ्ते सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ ने मॉस्को में रूस के खुफिया अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में क्या बात हुई, यह दोनों देशों ने सार्वजनिक नहीं किया है। पुतिन ने नई सैन्य लामबंदी की खबरों को खारिज किया-राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस में नई अनिवार्य सैन्य भर्ती या लामबंदी की खबरों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल रूस को नए सैनिकों की लामबंदी की जरूरत नहीं है। व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में पुतिन ने कहा, 'आज ऐसी कोई स्थिति नहीं है, जिसके लिए लामबंदी की जरूरत हो।' उन्होंने इन खबरों को दुष्प्रचार अभियान बताया। पुतिन के मुताबिक, इस महीने होने वाले रूस के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के चुनाव से पहले यह अभियान चलाया जा रहा है, ताकि चुनाव के नतीजों को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोग अपनी इच्छा से सेना में शामिल हो रहे हैं और सैन्य सेवा के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं। 2022 में 3 लाख लोगों की हुई थी लामबंदी-रूस में आखिरी बार सितंबर 2022 में आंशिक लामबंदी हुई थी।

क्रेमलिन के मुताबिक, तब करीब 3 लाख रिजर्व सैनिकों को सेना में बुलाया गया था। इस फैसले के बाद रूस में काफी विरोध हुआ था और बड़ी संख्या में सैन्य सेवा की उम्र वाले पुरुष देश छोड़कर चले गए थे।

इसके बाद से क्रेमलिन कई बार कह चुका है कि रूस में दोबारा ऐसी लामबंदी की कोई योजना नहीं है।

चीन में पीएचडी छोड़, रिसर्च पेपर की गड़बड़ियां खोजने लगा शख्स,40 वैज्ञानिकों का फर्जीवाड़ा पकड़ा गया, जिनपिंग सरकार ने फंडिंग-पुरस्कार छीने

बीजिंग। चीन में एक पूर्व पीएचडी छात्र गेंग होंगवेई के रिसर्च पेपर में गड़बड़ियां पकड़ने के बाद 40 से ज्यादा रिसर्चर्स पर कार्रवाई हुई है। चीन की प्रमुख रिसर्च फंडिंग संस्था नेशनल नेचुरल साइंस फाउंडेशन ऑफ चाइना (एनएसएफसी) ने 31 मामलों में कार्रवाई की है। इसे संस्था की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। कार्रवाई की जद में कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रोफेसर भी हैं। इनमें 4 ऐसे वैज्ञानिक हैं, जिनके पेपर पर पूर्व पीएचडी छात्र गेंग होंगवेई ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए थे। गेंग को 'स्टूडेंट गेंग' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने 2025 में बायोसाइंस की पीएचडी छोड़ दी थी। इसके बाद वह रिसर्च पेपर में डेटा, तस्वीरों और ग्राफ की गड़बड़ियां खोजकर सोशल मीडिया पर सामने लाने लगे। उनके सवालों के बाद संबंधित संस्थानों ने जांच शुरू की और अब मामला एनएसएफसी की कार्रवाई तक पहुंच गया है। पीएचडी ड्रॉपआउट ने क्या पकड़ा? 1. आंकड़ों में अजीब पैटर्न एक पेपर में एक कॉलम के लगभग सभी आंकड़ों का आखिरी अंक 5 था। दूसरे कॉलम में भी आंकड़े एक तय पैटर्न में थे। एक कॉलम के आंकड़े दूसरे से लगभग हर जगह 0.3 के अंतर पर थे। गेंग ने इसे डेटा की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने वाली बात बताया। 2. 196 चूहों के वजन में सटीकता एक रिसर्च में 196 लैब चूहों का वजन दो दशमलव तक दर्ज किया गया था। गेंग ने सवाल उठाया कि चलते-फिरते चूहों का वजन इतनी सटीकता से कैसे दर्ज किया गया। इससे डेटा के साथ छेड़छाड़ की आशंका पैदा हुई। 3. एक ही तस्वीर, अलग-अलग प्रयोग कुछ पेपर में एक जैसी तस्वीरों को अलग-अलग प्रयोगों के नतीजे के तौर पर इस्तेमाल किए जाने पर सवाल उठे। कुछ डेटा सेट भी असामान्य रूप से एक-दूसरे से मिलते थे। नेचर ने भी बताया था कि गेंग ने कई पेपर के आंकड़ों में असामान्यताएं पकड़ी थीं। चार बड़े वैज्ञानिक भी कार्रवाई की जद में- गेंग ने अप्रैल में चीन के चार प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से जुड़े वैज्ञानिकों के रिसर्च पर सवाल उठाए थे। इनमें टोंगजी यूनिवर्सिटी के वांग पिंग, नानकाई यूनिवर्सिटी के चेन चुआन, शंघाई यूनिवर्सिटी के सु जियाचन और सन यात-सेन यूनिवर्सिटी के कुआंग डोंगमिंग शामिल हैं। इन चारों को चीन का प्रतिष्ठित नेशनल साइंस फंड फॉर डिस्टिंग्विश्ड यंग स्कॉलर्स मिल चुका था। यह चीन में युवा वैज्ञानिकों को दिया जाने वाला प्रमुख सम्मान है। इनमें से तीन अपने संस्थानों में डीन या एसोसिएट डीन जैसे प्रशासनिक पदों पर रह चुके हैं।

हिमालय के ग्लेशियर सिर्फ बढ़ते तापमान से नहीं पिघल रहे, बर्फ पर जमी कालिख सूरज की गर्मी भी सोख रही, नेपाल जैसी तबाही का खतरा बढ़ा

काठमांडू। हिमालय के ग्लेशियरों पर अब सिर्फ बढ़ते तापमान का खतरा नहीं है। हवा में मौजूद कालिख और धूल भी

बर्फ के पिघलने की रफ्तार बढ़ा रही है। गाड़ियों, कोयला बिजलीघरों, फैक्ट्रियों, ईंट भट्ठों, घरों के चूल्हों और जंगलों व खेतों में लगने वाली आग से निकलने वाले कण हवा के साथ ऊंचे पहाड़ों तक पहुंचते हैं और ग्लेशियरों की सफेद सतह पर जम जाते हैं। बर्फ पर जमी कालिख सूरज की गर्मी ज्यादा सोखती है। इससे बर्फ जल्दी पिघलने लगती है। इससे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के साथ प्रदूषण का यह असर ग्लेशियरों को कमजोर और अस्थिर कर सकता है। नेपाल इसका चिंताजनक उदाहरण है। यहां हाल में ग्लेशियर टूटने के बाद अचानक बाढ़ आई और भारी नुकसान हुआ। इस घटना की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ता तापमान और ग्लेशियरों पर जमा प्रदूषण ऐसे हादसों का जोखिम बढ़ा सकते हैं। सफेद बर्फ पर कालिख पड़ते ही पिघलना क्यों बढ़ जाता है? साफ बर्फ सूरज की करीब 90फीसदी रोशनी वापस अंतरिक्ष में भेज देती है। इसलिए वह सूरज की गर्मी का बड़ा हिस्सा सोखने से बच जाती है। जब बर्फ पर कालिख यानी ब्लैक कार्बन जमती है तो उसकी सफेदी कम हो जाती है। सतह सूरज की ज्यादा ऊर्जा सोखने लगती है और तेजी से गर्म होती है। इससे बर्फ के पिघलने की रफ्तार भी बढ़ जाती है। एक मॉडलिंग स्टडी के मुताबिक, 2007 से 2016 के बीच हिमालय में ग्लेशियरों के कुल बर्फ नुकसान में दक्षिण एशिया से आया ब्लैक कार्बन एक-तिहाई तक जिम्मेदार हो सकता है। यानी ग्लेशियरों पर असर सिर्फ बढ़ते तापमान का नहीं है। बर्फ पर जम रही कालिख भी उसके गर्म होने और पिघलने में भूमिका निभा रही है। पाकिस्तान से उठी कालिख भी हिमालय तक पहुंच रहीः-सैटेलाइट डेटा के अध्ययन से पता चला है कि पाकिस्तान के औद्योगिक मैदानी इलाकों से निकलने वाला ब्लैक कार्बन और खनिज धूल हवा के साथ ऊंचे हिमालयी ग्लेशियरों तक पहुंच सकता है। ये महीन कण ग्लेशियर की सतह पर जमते हैं और बर्फ को गहरा कर देते हैं। इससे सूरज की ज्यादा ऊर्जा सोखी जाती है और पिघलने की प्रक्रिया तेज हो सकती है। तेजी से पिघलने वाला पानी ग्लेशियर की दरारों के रास्ते अंदर भी जा सकता है। इससे बर्फ के भीतर पानी के रास्ते बन सकते हैं और ग्लेशियर की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। अगर कमजोर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आता है तो फ्लैश फ्लड यानी अचानक तेज बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। प्रदूषण सिर्फ बर्फ को काला नहीं करताः-ब्लैक कार्बन का असर ग्लेशियर की सतह तक सीमित नहीं है। हवा में मौजूद कालिख सूरज की गर्मी सोखकर पहाड़ों के ऊपर के वातावरण को गर्म कर सकती है और बादलों के बनने के तरीके को भी प्रभावित कर सकती है। इससे कुछ इलाकों में बर्फबारी कम होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में ग्लेशियर पर दोहरा दबाव पड़ता है। एक तरफ पुरानी बर्फ तेजी से पिघलती है और दूसरी तरफ उसकी भरपाई के लिए नई बर्फ कम मिल सकती है। कालिख के बड़े स्रोत कौन से हैं? दक्षिण एशिया में ब्लैक कार्बन के प्रमुख स्रोतों में पेट्रोल-डीजल वाहन, कोयला आधारित बिजलीघर और उद्योग, ईंट भट्ठे, लकड़ी और ठोस ईंधन से चलने वाले पारंपरिक चूल्हे, जंगलों की आग और फसल जलाना शामिल हैं। इनसे निकले महीन कण हवाओं के साथ लंबी दूरी तय कर सकते हैं। यानी ग्लेशियर से हजारों किलोमीटर दूर पैदा हुआ प्रदूषण भी हिमालय की बर्फ तक पहुंच सकता है। अच्छी खबरः कालिख कम करने का असर जल्दी दिखता हैः-ब्लैक कार्बन के मामले में राहत की एक वजह भी है। कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले यह वातावरण में बहुत कम समय तक रहता है। आमतौर पर कुछ दिनों से कुछ हफ्तों तक। इसलिए इसके उत्सर्जन में कमी लाने पर असर जल्दी दिखाई दे सकता है। इसका एक उदाहरण 2020 का कोविड लॉकडाउन है। 2023 में प्रकाशित एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने उस दौरान हुए प्रदूषण में कमी का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि प्रदूषण घटने से हिमालय की बर्फ ज्यादा चमकीली हुई और उसके पिघलने की दर 40फीसदी तक कम हो गई। इससे पता चलता है कि वाहनों, उद्योगों और दूसरे स्रोतों से निकलने वाली कालिख को कम करके ग्लेशियरों पर पड़ने वाला दबाव कुछ हद तक जल्दी घटाया जा सकता है। हिमालय का संकट सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं- हिमालय के ग्लेशियर भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया के लिए बेहद अहम हैं। इनसे निकलने वाला पानी कई बड़ी नदियों के प्रवाह में योगदान देता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से कुछ समय के लिए नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन लंबे समय तक यही रफ्तार बनी रही तो ग्लेशियरों में जमा बर्फ घटती जाएगी। इससे भविष्य में पानी की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा ग्लेशियरों के पास बनी झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लोफ का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसी बाढ़ कुछ ही समय में निचले इलाकों में भारी तबाही ला सकती है।

यूएस ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय को राहत,फैमिली कैटेगरी की तारीखें बढ़ीं-1 अक्टूबर से नए वीजा नंबर मिलेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय परिवारों के लिए सितंबर का

वीजा बुलेटिन राहत लेकर आया है। परिवार-आधारित कई श्रेणियों में ग्रीन कार्ड मिलने की तारीखें काफी आगे बढ़ी हैं। हालांकि, ईबी-1 श्रेणी में खास बदलाव नहीं हुआ है। ईबी-1 श्रेणी में असाधारण प्रतिभा वाले लोग, बेहतरीन प्रोफेसर-रिसर्चर और एमएनसी के कुछ वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। भारत के लिए सितंबर में इसकी फाइनल एक्शन डेट 15 अक्टूबर 2022 है। सितंबर का वीजा बुलेटिन मौजूदा वित्त वर्ष का आखिरी बुलेटिन है। अमेरिका का वित्त वर्ष 1 अक्टूबर से 30 सितंबर तक चलता है। नए वार्षिक वीजा नंबर 1 अक्टूबर से उपलब्ध होंगे। एफ-1 में 13 महीने की बढ़त-सितंबर वीजा बुलेटिन में भारत और चीन के लिए एफ-1 श्रेणी की फाइनल एक्शन डेट 15 दिसंबर 2018 से बढ़कर 22 जनवरी 2020 हो गई है। यह श्रेणी अमेरिकी नागरिकों के अविवाहित वयस्क बेटे-बेटियों के लिए है। एफ-2बी में करीब 20 महीने की राहत-ग्रीन कार्ड धारकों के अविवाहित वयस्क बेटे-बेटियों के लिए एफ-2बी की तारीख 1 जनवरी 2018 से बढ़कर 22 अगस्त 2019 हो गई है। यानी एक महीने में करीब 20 महीने की बढ़त मिली है। एफ-3 में करीब 29 महीने की बढ़त-अमेरिकी नागरिकों के विवाहित बेटे-बेटियों के लिए एफ-3 की फाइनल एक्शन डेट 15 मई 2012 से बढ़कर 22 अक्टूबर 2014 हो गई है। इसमें करीब 29 महीने की बढ़त हुई है। एफ-2ए में एक महीने की बढ़त-ग्रीन कार्ड धारकों के पति-पत्नी और नाबालिग बच्चों के लिए एफ-2ए की तारीख 22 जुलाई 2026 से बढ़कर 22 अगस्त 2026 हो गई है। वित्त वर्ष 2026 में परिवार आधारित इमिग्रेशन की कुल सीमा 2.26 लाख और रोजगार आधारित इमिग्रेशन की सीमा 1,86,317 है। प्रति देश 7फीसदी यानी 28,862 वीजा की सीमा है। कुल मिलाकर इस महीने परिवार आधारित ग्रीन कार्ड की कई श्रेणियों में अच्छी प्रगति हुई है, जबकि ईबी-1 में कोई बदलाव नहीं हुआ। अमेरिका में इमिग्रेशन को लेकर नया बिल पेश-इससे पहले अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा विधेयक पेश किया गया थआ, जिसमें पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे लोगों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसे आधिकारिक तौर पर परमानेंट रेजिडेंट कार्ड कहा जाता है। भारतीय एच-1बी वीजाधारकों के लिए यह प्रस्ताव क्यों अहम है?

यह प्रस्ताव भारतीयों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम करने वाले लोगों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है।

फिलहाल रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड पर हर देश के लिए एक तय सीमा (पर-कंट्री कैप) लागू है। इसी वजह से हजारों भारतीयों को ग्रीन कार्ड मिलने में कई-कई साल लग जाते हैं। अगर यह विधेयक कानून बन जाता है,

तो पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे पात्र एच-1बी वीजाधारकों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने का एक नया विकल्प मिल जाएगा।

जयशंकर बोले- तेल खरीद पर रोक लगाने से जंग नहीं रुकेगी, बातचीत से ही खत्म होगी, भारत यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए मध्यस्थता को तैयार

कीव।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जहाज मालिक

इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है। गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30फीसदी गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है। 2022 से जारी रूस-यूक्रेन जंग- रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20फीसदी इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी। यह करीब 80 साल में किसी रूसी नेता की पहली अलास्का यात्रा थी। डोनबास को लेकर रूस और यूक्रेन के बीच फंसा है मामला-रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच शांति समझौते में यह सबसे बड़ी अड़चनों में से एक बना हुआ है। रूस डोनबास को बेहद अहम मानता है और इन्हें छोड़ना नहीं चाहता। पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले इलाकों पर अपना दावा छोड़ना होगा। साथ ही उसे इन इलाकों को रूस का हिस्सा मानना होगा।जयशंकर 3 से 5 सितंबर तक यूक्रेन और पोलैंड दौरे पर- विदेश मंत्री एस. जयशंकर 3 से 5 सितंबर तक यूक्रेन और पोलैंड की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यूक्रेन के बाद वे पोलैंड जाएंगे, जहां उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की से द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करना है। इस दौरान क्षेत्रीय हालात और आपसी हितों से जुड़े दूसरे अहम मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

पाक ग्रूमिंग गैंग ने लंदन में सिख युवती को फंसाया, ब्रेनवॉश किया

नितनेम-गुरुद्वारा जाना छोड़ा, पुलिस को कंप्लेंट कर घर छोड़ चली गई

पठानकोट। इंग्लैंड (यूके) में पंजाबी युवती पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग के चंगुल में फंस गई। युवती की मां ने एक पंजाबी चैनल से बातचीत में कहा कि उसकी 19 साल की

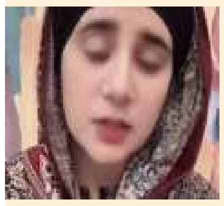

बेटी है। वह नितनेम करती, गुरुद्वारे जाकर सेवा करती थी लेकिन गैंग ने उसे फंसा लिया। उसने सब कुछ छोड़ दिया। उसका ब्रेनवॉश कर दिया। जब हमने समझाने की कोशिश की तो हमारी शिकायत लंदन पुलिस को कर दी। इसके बाद हमें छोड़कर चली गई। मां ने कहा कि यूनिवर्सिटी में लड़कियों के एक ग्रुप से जोड़ने के बाद एक लड़का उसके टच में आया, उसके बाद ही उसका पूरा व्यवहार बदल गया। उसने इंग्लैंड में रहते सिखों से इस मामले में मदद मांगी है। युवती की मां ने ग्रूमिंग को लेकर क्या कहा- 1. स्कूल में पढ़ी, यूनिवर्सिटी तक सब ठीक थाः- मां ने कहा- मेरी बेटी का नाम सिमरन है। वह 19 साल की है। बेटी यहीं (लंदन) की जन्मी है, लेकिन फिर भी वह जैसी हमारी भारतीय समुदाय की बच्चियां होती हैं, उस तरह थी। हमारे घर में एक अच्छे माहौल में पली-बढ़ी थी उसने स्कूल खत्म किया और सितंबर 2025 में यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए गई। तब तक सब कुछ ठीक था। 2. यूनिवर्सिटी में लड़कियों का ग्रुप बना, फिर एक लड़का उसके टच में आया- मां ने कहा- यूनिवर्सिटी में जाकर मुस्लिम लड़कियों का ग्रुप बना। फिर एक लड़का उनके संपर्क में आया। जिसने मेरी बेटी से संपर्क किया और फिर उसका थोड़ा-थोड़ा व्यवहार बदलने लगा। वह पहले बहुत अच्छी थी, बहुत इज्जत करती थी हमारी, कभी वह हमारे आगे बोलती नहीं थी। फिर हमें शक हुआ कि शायद कुछ गलत है। हमें जून 2026 में पता चला कि एक मुस्लिम लड़का उसके साथ जुड़ चुका है। उसके बाद उसका व्यवहार बदल गया। 3. मां-बाप को वह बातें बोलती, जिससे यकीन नहीं आता-मां ने कहा- वह काफी आक्रामक होने लगी। यहां तक कि उसको यह पता चलना बंद हो गया कि हम उसके माता-पिता हैं। वह कभी-कभी हमें इतनी गलत चीजें बोल देती थी कि हम विश्वास ही नहीं कर पाते थे कि यह सिमरन ही बोल रही है। स्कूल में हर टीचर उसकी तारीफ करता था कि यह हमारी बहुत इज्जत करती है। 4. घर पर पाठ करती, गुरुद्वारे जाती, फिर पूरी बदल गई-मां ने कहा- वह घर पर पाठ करती थी। जब भी उसको समय मिलता था, हम गुरुद्वारे जाते, सेवा करके आते थे। उसका ब्रेनवाश कर दिया गया। मतलब कि पूरी तरह से बदल दिया उसको। वह अपना किरदार ही भूल गई। मेरी फैमिली गुरसिख है। पति का परिवार अमृतधारी है। बेटी सिमरन भी सिक्खी को मानती थी लेकिन फिर वह पूरी तरह से बदल गई। 5. समझाया तो पुलिस को हमारी ही शिकायत कर दी, फिर छोड़कर चली गई-मां ने कहा- जब हमने उसे समझाने की कोशिश की तो उसने लंदन पुलिस को शिकायत कर दी। उसने झूठ कहा कि हमने उसको मारा-पीटा। जबकि हमने कभी भी उस पर हाथ नहीं उठाया। यहां तक कि हमने उससे ऊंची आवाज में बात करना भी बंद कर दिया था। हमें लगता था कि हम प्यार से उसको समझा लें, घर वापस ले आएं, हर वह चीजें करने लगे, जिससे वह खुश रहती थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि उसका इतना माइंडवॉश कर दिया उन्होंने कि हमारी मेरी पूरी फैमिली पर आरोप लगाकर वह चली गई। पहले भी एक युवती ने ऑनसक्रीन किए थे खुलासे- बता दें, 6 महीने पहले इंग्लैंड में रहने वाले पंजाबी नवदीप सिंह ने एक युवती का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें युवती ने ऐसे ही कुछ दावे किए थे। उसने बताया था कि ब्रिटेन में कौर-टू-खान मूवमेंट चल रहा है। सिख लड़कियों को फंसाकर उन्हें मुसलमान बनाया जा रहा है। इसके लिए यूके में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग सक्रिय है। युवती ने वीडियो में दावा किया था कि यूके में ग्रूमिंग गैंग को कौर (सिख लड़की) से खान (मुस्लिम) बनाने पर 10 हजार पाउंड दिए जा रहे हैं।

दाऊद इब्राहिम ने रोल्स रॉयस भेजकर ऋषि कपूर को चाय पर बुलाया था, फिल्म 'तवायफ' में दाऊद नाम रखने की तारीफ भी की थी

मुंबई। शुक्रवार को यानि बीते दिन दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की आज 74वीं बर्थ एनिवर्सरी थी। ऋषि कपूर ने अपनी किताब 'खुल्लम खुल्ला'

में जिंदगी से जुड़े कई किस्से साझा किए थे। किताब में उन्होंने दाऊद इब्राहिम से दुबई में हुई 2 बार मुलाकात का जिक्र भी किया था। इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में भी ऋषि कपूर ने दाऊद से हुई पहली मुलाकात को लेकर कई बातें शेयर की थीं। उन्होंने बताया था कि 1988 में वह आर.डी. बर्मन, आशा भोसले और बिट्टू आनंद के साथ शो के लिए दुबई पहुंचे थे। ऋषि के मुताबिक, वहां एक व्यक्ति उनके पास फोन लेकर आया और कहा, 'भाई बात करेंगे।' इसके बाद दाऊद ने उन्हें चाय पर घर बुलाया। ऋषि ने कहा था कि उन्हें लगा कि इसमें कुछ गलत नहीं है, क्योंकि उस समय दाऊद सिर्फ एक भगोड़ा था और उस समय उस पर बाद में होने वाले गंभीर अपराधों के आरोप नहीं थे। यह मुलाकात 1993 के मुंबई धमाकों से पहले हुई थी। ऋषि ने बताया था कि दाऊद के साथ उनकी करीब चार घंटे की मुलाकात हुई, जिसमें उन्होंने दो कप चाय पी। ऋषि के मुताबिक, दाऊद ने उन्हें अपने घर बुलाने के लिए रोल्स रॉयस गाड़ी भेजी थी। 'तवायफ' फिल्म में ऋषि का नाम था दाऊद:- ऋषि कपूर ने बताया था कि फिल्म 'तवायफ' में उनके किरदार का नाम दाऊद था। यह बात दाऊद इब्राहिम को काफी पसंद आई थी। ऋषि के मुताबिक, दाऊद ने कहा था कि उन्होंने उसका नाम अच्छे तरीके से दिखाया है। ऋषि ने यह भी कहा था कि दाऊद ने उनसे कभी कोई तोहफा नहीं लिया। हालांकि, उसने पूछा था, 'क्या मैं आपको कुछ दिला सकता हूं?' इस पर ऋषि ने जवाब दिया था, 'नहीं, आप मुझे कुछ क्यों दिलाएंगे? मैं अपनी जरूरत की चीजें खरीद सकता हूं।' राज कपूर के निधन के एक दिन बाद जून 1988 में दाऊद ने मुंबई स्थित ऋषि के घर पर शोक जताने के लिए अपना एक आदमी भी भेजा था। ऋषि के मुताबिक, दाऊद उनके पिता राज कपूर का बड़ा फैन था। दूसरी मुलाकात साल 1989 में हुई थी:-वहीं, ऋषि कपूर की दाऊद से दूसरी मुलाकात साल 1989 में हुई थी। यह एक अचानक हुई मुलाकात थी। ऋषि पत्नी नीतू के साथ दुबई के एक जूते के स्टोर में खरीदारी कर रहे थे, जहां दाऊद अपने कुछ बॉडीगार्ड्स के साथ आया और उसने ऋषि को पहचानकर उनसे बातचीत की। दाऊद ने कुछ खरीदकर देने का ऑफर दिया, लेकिन ऋषि ने मना कर दिया था। ऋषि ने कहा था कि उन्हें दाऊद से मिलने में बिल्कुल कुछ गलत नहीं लगा और कभी-कभी फिल्मों के लिए ऐसे लोगों से भी प्रेरणा ली जा सकती है। उन्होंने बताया था कि फिल्म 'डी-डे' में दाऊद से प्रेरित किरदार निभाने के लिए उन्होंने उससे जुड़ी चीजों को समझने की कोशिश की थी।एक्टर-नाम ऋषि कपूर के करियर पर- ऋषि कपूर ने 1970 में फिल्म 'मेरा नाम जोकर' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उन्होंने अपने पिता राज कपूर के बचपन का किरदार निभाया था। 1973 में फिल्म 'बॉबी' से ऋषि कपूर ने बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ डिंपल कपाड़िया नजर आई थीं। यह फिल्म बड़ी हिट रही और ऋषि रातोरात स्टार बन गए। ऋषि कपूर ने अपने करियर में कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया।

'कर्ज', 'चांदनी', 'नगीना', 'प्रेम रोग' और 'सागर' उनकी चर्चित फिल्मों में शामिल हैं। उन्होंने सिर्फ हीरो ही नहीं, बल्कि अलग-अलग तरह के किरदार भी निभाए। 'अग्निपथ', 'दो दूनी चार', 'मुल्क' और '102 नॉट आउट' में उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया। उनकी आखिरी फिल्म 'शर्माजी नमकीन' थी। यह फिल्म उनके निधन के बाद 2022 में रिलीज हुई थी।

पान मसाला और विवाद में शाहरुख की मुश्किल बढ़ेंगी! एफडीए को नहीं भेजा जवाब

15 दिन की समय सीमा खत्म, अजय देवगन-टाइगर श्रॉफ ने आदेश माना

मुंबई। पान मसाला एड मामले में अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग

एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) को अपना जवाब भेज दिया है। वहीं, शाहरुख खान की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। तीनों एक्टर्स को 14 अगस्त को नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर जवाब देने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र एफडीए ने 11 अगस्त को शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को 'च्युइंग इलायची' ब्रांड का विज्ञापन करने के मामले में नोटिस भेजा था। नोटिस में 15 दिन के अंदर जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की बात कही गई थी। 'सीएनएन-न्यूज18' की रिपोर्ट के मुताबिक, रेगुलेटर को अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के जवाब मिल गए हैं। शाहरुख खान का जवाब अभी तक नहीं मिला है और एफडीए उनके रिप्लाई का इंतजार कर रहा है। रेगुलेटर ने सवाल उठाया है कि क्या यह विज्ञापन विमल पान मसाला के सरोगेट प्रमोशन के बराबर हो सकता है। महाराष्ट्र में पान मसाला के प्रमोशन पर रोक है। एफडीए का कहना है कि भले ही विज्ञापन इलायची प्रोडक्ट के लिए है, लेकिन इसकी

ब्रांडिंग पान मसाला ब्रांड से अप्रत्यक्ष कनेक्शन बना सकती है। तीनों एक्टर्स से मांगे गए थे सबूत- एफडीए ने अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ से इस बात के सबूत मांगे थे कि उन्होंने विमल इलायची का जो विज्ञापन किया है, वह पूरी तरह अलग प्रोडक्ट है। इसके साथ ही उनसे यह भी साबित करने को कहा गया था कि यह विज्ञापन बैन किए गए विमल पान मसाला और तंबाकू के दूसरे प्रोडक्ट्स के प्रमोशन के लिए बनाया गया सरोगेट विज्ञापन नहीं है। शाहरुख के जवाब नहीं दिया तो लगेगा जुर्माना:-अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ का जवाब मिलने के बाद अब एफडीए शाहरुख खान के जवाब का इंतजार कर रहा है। शाहरुख की तरफ से जवाब नहीं मिलने पर एफडीए क्या कार्रवाई करेगा, यह अभी साफ नहीं है। जानकारी के मुताबिक, समय सीमा तक जवाब न देने की स्थिति में लाखों रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है या कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पान मसाला एड विवाद पर सेलेब्स के पुराने बयान- पान मसाला एड पर लंबे समय से विवाद है। हालांकि एक्टर्स का कहना है कि एड नहीं बल्कि बिक्री पर रोक लगाना चाहिए। शाहरुख खान और अजय देवगन पहले भी कह चुके हैं कि अगर कोई प्रॉडक्ट सेहत के लिए नुकसानदेह है, तो सरकार को उसके निर्माण और बिक्री पर ही रोक लगा देनी चाहिए। सीएनएन-आईबीएन को दिए एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख खान से पूछा गया था कि स्वास्थ्य मंत्री ने सेलिब्रिटीज से सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे उत्पादों का विज्ञापन न करने की अपील की है, क्योंकि बच्चे उन्हें देखकर पीने लगते हैं। इस पर शाहरुख ने कहा था कि अगर सिगरेट या सॉफ्ट ड्रिंक्स खराब हैं, तो सरकार देश में उनकी बिक्री और उत्पादन ही रोक दे। सरकार को मिलता है रेवेन्यू, फिर मेरी कमाई क्यों रोकते हैं - शाहरुख- शाहरुख खान ने अपने जवाब में तर्क दिया था कि सरकार ऐसे उत्पादों को इसलिए बंद नहीं करती क्योंकि वे सरकार के लिए राजस्व (रेवेन्यू) का जरिया हैं। शाहरुख ने कहा था कि जब सरकार अपने रेवेन्यू के लिए उत्पादन नहीं रोक रही है, तो उनकी कमाई को भी नहीं रोका

जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे एक एक्टर हैं और काम करके कमाना उनका पेशा है। अगर कोई चीज वाकई गलत है, तो उसका बनना ही बंद होना चाहिए। अजय देवगन बोले- मैं केवल इलायची का प्रचार करता हूं-साल 2022 में भी जब इस तरह के विज्ञापन पर विवाद बढ़ा था, तब अभिनेता अजय देवगन ने अपना पक्ष रखा था। अजय ने कहा था कि वे केवल 'इलायची' का विज्ञापन करते हैं और सरोगेट एडवरटाइजिंग के आरोपों से इनकार किया था।उन्होंने कहा था कि किसी उत्पाद को इस्तेमाल करना इंसान की व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है। अजय ने भी शाहरुख खान की बात से सहमति जताते हुए कहा था कि अगर कोई उत्पाद हानिकारक है, तो सबसे पहले उसके निर्माण पर रोक लगानी चाहिए। सेलेब्स के इन एड पर भी हुआ विवाद- कृति सेनन रक्षाबंधन एड विवादः एक्ट्रेस कृति

सेनन हाल ही में जूलरी ब्रांड जीवा के जूलरी ब्रांड में नजर आईं। एड में भाई और कुत्ते को राखी बांधती हुईं कृति ने रिवीलिंग कपड़े पहने, जिससे विवाद हो गया। आलोचना के बीच ब्रांड ने एड हटा दिया। आमिर खान गृहप्रवेश एड विवादः आमिर खान कुछ सालों पहले एक प्राइवेट बैंक के एड में कियारा आडवाणी संग नजर आए। इसमें आमिर शादी के बाद दुल्हन के गृह प्रवेश करने के उलट घर जमाई के रूप में ससुराल में गृह प्रवेश करते नजर आ रहे हैं। तनिष्क एड पर हिंदू-मुस्लिम विवादः टाटा ग्रुप के मशहूर ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क ने कुछ सालों पहले इंटर रिलीजन मैरिज पर आधारित एड जारी किया था। विज्ञापन में एक हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी दिखाई गई है। एड पर जमकर विवाद हुआ, जिसके बाद तनिष्क ने वीडियो को यूट्यूब चैनल से हटा दिया है।

पैसे बचाने के लिए पैदल चलती थीं हुमा कुरैशी, पीजी में था बसेरा, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में रु65,000 मिले, हिट के बाद भी स्ट्रगल करना पड़ा

मुंबई। दिल्ली की हुमा कुरैशी ने एक्टिंग को करियर बनाने के लिए परिवार को मनाने में महीनों लगाए। मुंबई पहुंचीं तो न

गॉडफादर था, न फिल्मी लॉन्च। छोटे से पीजी में चार लड़कियों के साथ रहकर ऑडिशन देने वाली हुमा ने विज्ञापनों से शुरुआत की। शाहरुख खान और आमिर खान जैसे सितारों के साथ विज्ञापन किए। फिर एक मोबाइल ऐड के सेट पर हुई मुलाकात ने उनकी जिंदगी बदल दी। अनुराग कश्यप ने उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर में मौका दिया। फिल्म हिट हुई, लेकिन हुमा का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। बॉडी शेमिंग, रिजेक्शन, ट्रोलिंग और लिंकअप की अफवाहों के बीच उन्होंने अलग-अलग किरदारों से पहचान बनाई। पढ़ाई में तेज थीं, एक्टिंग का शौक बाद में करियर बनाः- हुमा कुरैशी का जन्म 28 जुलाई 1986 को दिल्ली में हुआ। उनके पिता सलीम कुरैशी रेस्टोरेंट बिजनेस से जुड़े हैं। हुमा ने दिल्ली के गार्गी कॉलेज से हिस्ट्री ऑनर्स किया। कॉलेज के दिनों में वह पढ़ाई के साथ ड्रामा, डिबेट और थिएटर में सक्रिय रहीं। वह ड्रामा सोसायटी की प्रेसिडेंट भी बनीं। थिएटर के दौरान एनके शर्मा उनके मेंटर बने। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि एनके शर्मा ने ही उनमें एक्टर बनने की क्षमता सबसे पहले पहचानी। उन्होंने 'द अमेरिकन पायलट' जैसे नाटकों में काम किया। हुमा के मुताबिक, एक्टिंग का असली जुनून उन्हें थिएटर के दौरान ही महसूस हुआ। डॉक्टर बनने की पढ़ाई से मुंबई तक का सफरः-हुमा के परिवार को लगता था कि वह पढ़ाई में अच्छी हैं और आगे अकादमिक करियर बनाएंगी। हुमा ने बताया था कि उनके पिता एक्टिंग के फैसले को लेकर शुरुआत में आश्वस्त नहीं थे। उन्हें अपने माता-पिता को मनाने में करीब छह से आठ महीने लगे। मुंबई आने से पहले उन्हें एक फिल्म का ऑडिशन मिला था। फिल्म में उनका चयन हुआ, लेकिन प्रोजेक्ट कभी बन नहीं सका। इस अनुभव से हुमा को समझ आया कि उन्हें फिल्मों में काम करना है। इसके बाद उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया। मुंबई में चार लड़कियों के साथ छोटे से पीजी में रहती थींः-मुंबई पहुंचने के बाद हुमा ने कोई आलीशान जिंदगी नहीं जी। वह जुहू में चार दूसरी लड़कियों के साथ छोटे से पीजी में रहती थीं। हर लड़की के पास अपना बेड

और एक कैबिनेट था। बाथरूम इस्तेमाल करने को लेकर भी रोजाना झगड़े होते थे। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि ऑडिशन के लिए वह एक बैग लेकर निकलती थीं। उसमें एक सलवार-कमीज, सफेद शर्ट, काली ड्रेस और टिफिन रहता था। कई बार उन्हें बिना ठीक से बातचीत किए ही रिजेक्ट कर दिया जाता था।

शुरुआती दौर में वह दादर-जुहू के बीच टैक्सी और ऑटो रिक्शे से सफर करती थीं। पैसे बचाने के लिए कई बार पैदल भी चलती थीं। पहला विज्ञापन मिला तो सिर्फ 5 हजार रुपएः- फिल्म का सपना पूरा होने में वक्त लग रहा था, इसलिए हुमा ने विज्ञापनों से शुरुआत की। उनका पहला विज्ञापन एक मोबाइल कंपनी के लिए था। इसमें वह अबिषेक बच्चन का इंटरव्यू करती पत्रकार बनी थीं। इसके लिए उन्हें सिर्फ 5 हजार रुपए मिले थे। इसके बाद हुमा ने आमिर खान, शाहरुख खान समेत कई बड़े सितारों के साथ विज्ञापन किए। यही विज्ञापन आगे उनके फिल्मी करियर का रास्ता खोलने वाला था। आमिर खान के ऐड में अनुराग कश्यप से मुलाकातः;-हुमा ने एक

मोबाइल विज्ञापन में आमिर खान के साथ काम किया था। इसकी शूटिंग पंचगनी में चार दिन चली। उस विज्ञापन के डायरेक्टर

अनुराग कश्यप थे। हुमा ने इस मुलाकात का मजेदार किस्सा सुनाया था। उन्होंने बताया कि तब वह करीब दस विज्ञापन कर चुकी थीं और खुद को इस मामले में 'वेटरन' समझने लगी थीं। सेट पर उन्होंने काफी मेकअप किया हुआ था। अनुराग ने पूछा, 'ये क्या है?' तो हुमा ने बेझिझक कहा कि यह उनका पहला ऐड है, जबकि वह दस ऐड कर चुकी हैं। अगले ही दिन अनुराग ने उनसे कहा कि वह अपनी फिल्म में उन्हें कास्ट करेंगे। हुमा को भरोसा नहीं हुआ, लेकिन अनुराग ने अपना वादा निभाया। गैंग्स ऑफ वासेपुर मिली, लेकिन सिर्फ 65 हजार रुपए मिले थेः-2012 में हुमा ने गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किरदार की पत्नी मोहसिना का रोल निभाया। शूटिंग के वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका इतनी अहम होने वाली है। एक इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 65 हजार रुपए मिले थे। उन्होंने कहा कि शूटिंग किसी बड़े स्टार वाली फिल्म जैसी नहीं थी-न फाइव स्टार होटल, न वैनिटी वैन का तामझाम। टीम वाराणसी गई, महीनों शूटिंग की और वापस आ गई। फिल्म रिलीज हुई तो हुमा ने देखा कि उनका चेहरा होर्डिंग पर था। फिल्म हिट हुई, लेकिन इसके बाद आया असली स्ट्रगल-गैंग्स ऑफ वासेपुर ने हुमा को पहचान दिला दी। लेकिन सफलता के बाद वह लगातार बड़े स्टार्स वाली फिल्मों की हीरोइन नहीं बन गईं। बर्खा दत्त के इंटरव्यू में हुमा ने कहा था कि पहली कुछ फिल्मों के बाद वह खुद को लेकर असुरक्षित महसूस करने लगी थीं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किस दिशा में आगे बढ़ना है। हुमा कुरैशीः- 'पहली फिल्म के बाद मेरा असली स्ट्रगल शुरू हुआ। मुझे लगता था कि दूसरे कलाकारों को जैसी फिल्में मिल रही हैं, वैसी मुझे क्यों नहीं मिल रहीं।' 'बिल्ला 2' पहले मिली थी, लेकिन फिल्मी सफर अटक गयाः-गैंग्स ऑफ वासेपुर से पहले हुमा को तमिल फिल्म बिल्ला 2 में अजित कुमार के साथ काम करने का मौका मिला था। उन्होंने करीब 700 उम्मीदवारों के ऑडिशन के बाद यह रोल हासिल किया था। लेकिन फिल्म में देरी हुई और दूसरे कमिटमेंट्स की वजह से हुमा ने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। 'बॉडी शेमिंग' ने आत्मविश्वास तक हिला दिया-हुमा के करियर की सबसे मुश्किल लड़ाइयों में से एक वजन और लुक्स को लेकर होने वाली आलोचना रही। हुमा ने बताया कि एक रिव्यू में लिखा गया था कि वह अच्छी एक्ट्रेस हैं, लेकिन मेनस्ट्रीम एक्ट्रेस बनने के लिए पांच किलो ज्यादा वजन है। बाद में फिल्म 'डबल एक्सएल' के लिए उन्होंने करीब 20 किलो वजन बढ़ाया। हुमा ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए थेरेपी जैसी थी। 2026 में डबल डेट शो पर भी उन्होंने शुरुआती करियर की ट्रोलिंग का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि लगातार नेगेटिव कमेंट्स का उनके आत्मविश्वास पर असर पड़ा। वह कुछ समय के लिए काफी रिजर्व हो गई थीं। अनुराग कश्यप से लिंकअप की अफवाहें भी झेलनी पड़ींः- गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद हुमा और अनुराग कश्यप की दोस्ती को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। दोनों के रिश्ते को लेकर मीडिया में लगातार खबरें आईं। हुमा ने 2013 में इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में इन खबरों को खारिज करते हुए कहा था कि वह अफवाहों को अपने काम और उन लोगों के साथ रिश्तों पर असर नहीं डालने देंगी, जिन्होंने उन पर भरोसा किया। एक साल बाद अनुराग कश्यप ने भी कहा था कि इन अफवाहों में हुमा को निशाना बनाया जा रहा है और इसका असर उनकी इमेज पर पड़ रहा है। एक और अफवाह- 'डेढ़ इश्किया' के डायरेक्टर से सगाईः-2014 में हुमा के बारे में सोशल मीडिया पर अफवाह चली कि उन्होंने 'डेढ़ इश्किया' के डायरेक्टर अभिषेक चौबे से सगाई कर ली है। हुमा ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी अफवाहें एक आउटसाइडर की मेहनत को कमजोर करती हैं। हुमा कुरैशीः- 'जब किसी की सफलता को काम के बजाय अफेयर से जोड़ दिया जाता है, तो उसके संघर्ष और प्रतिभा पर सवाल उठता है।' डेढ़ इश्किया' से 'बदलापुर तक, अलग रोल्स चुनती गईंः-हुमा ने खुद को पारंपरिक ग्लैमरस हीरोइन की छवि तक सीमित नहीं रखा। डेढ़ इश्किया' से 'बदलापुर ,जॉली एलएलबी 2 और मोनिका, ओ माई डार्लिंग जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। यही उनकी करियर रणनीति बनी-हर फिल्म में खुद को दोहराने के बजाय नया किरदार चुनना। हुम कहती हैं कि उनके लिए हर फिल्म दोबारा शुरुआत करने जैसी है। वह एक ही तरह के रोल दोहराना पसंद नहीं करतीं। ओटीटी ने दिया करियर को नया मोड़ः-फिल्मों के साथ हुमा ने ओटीटी का रुख किया। 2019 में वेब सीरीज लैला में उनका किरदार चर्चा में रहा, लेकिन 2021 की 'महारानी' ने उनके करियर को नया मोड़ दिया। रानी भारती का किरदार हुमा के अब तक के सबसे चर्चित किरदारों में शामिल हो गया। सत्ता की राजनीति में एक साधारण महिला का धीरे-धीरे मजबूत होना हुमा ने बेहद प्रभावी तरीके से निभाया। यही दौर था जब उन्हें सिर्फ फिल्मों की

अभिनेत्री के बजाय ऐसी कलाकार के तौर पर देखा जाने लगा, जो अलग माध्यमों में भी मजबूत किरदार निभा सकती है। 'महारानी' की रानी भारती बनीं जिंदगी बदलने वाला किरदारः- हुमा ने रानी भारती को अपने करियर का वह रोल बताया जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। इस किरदार में उन्होंने ऐसी महिला को निभाया, जो राजनीति, सत्ता और निजी जिंदगी के संघर्षों के बीच धीरे-धीरे खुद को मजबूत करती है। इसके बाद 'मिथ्या' और 'आर्मी ऑफ द डेड' जैसे प्रोजेक्ट्स से उन्होंने ओटीटी और इंटरनेशनल स्क्रीन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। ट्रोलिंग पर बोलीं- काम करते रहना जरूरी हैः-हुमा ने हालिया इंटरव्यू में ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब वह सोशल मीडिया की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं। लखनऊ टाइम्स से बातचीत में उन्होंने अपने लुक्स और ट्रोलिंग पर अपने आत्मविश्वास को लेकर जवाब दिया। अब एक्टर के साथ प्रोड्यूसर भी-हुमा अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। [illegible] में उन्होंने एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन की जिम्मेदारी संभाली। फिल्म 3 जुलाई 2026 को रिलीज हुई थी। जिस लड़की ने कभी एक फिल्म मिलने को ही सबसे बड़ी उपलब्धि माना था, वह अब अपनी पसंद की कहानियां बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ा चुकी है। 'टॉक्सिकः में दिखा करियर का नया दौरः- हुमा की हालिया रिलीज फिल्मों में 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' भी शामिल है। यश स्टारर यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। इसमें यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

बिग बॉस 20 का घर बना 'हाउस ऑफ इल्यूजन',गार्डन में शार्क से लेकर बेडरूम में बिच्छू तक, हर कोना सुनाएगा नई कहानी

लावासा। 'बिग बॉस 20' का घर इस बार सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि एक अलग ही दुनिया नजर आ रहा है। शो की थीम 'हाउस ऑफ इल्यूजन' और

'ड्युअलिटी' को ध्यान में रखते हुए घर के हर हिस्से को अलग अंदाज में डिजाइन किया गया है। गार्डन में जानवरों और पक्षियों की आकृतियां, दीवारों पर कई आंखें, तालाब में शार्क, पेड़ पर सांप और एक अलग जिम एरिया नजर आता है। ड्राइंग रूम से लेकर किचन, डाइनिंग एरिया और बेडरूम तक हर जगह कोई न कोई कहानी छिपी है। इस बार घर को डिजाइन किया है वर्षा जैन ने। इसे तैयार करने में करीब डेढ़ महीने तक रोजाना 100 से ज्यादा लोग दिन-रात काम करते रहे। बिग बॉस के घर में प्रवेश करते ही सबसे पहले गार्डन एरिया नजर आता है। यहां दीवारों पर अलग-अलग जानवरों और पक्षियों की बड़ी-बड़ी आकृतियां बनाई गई हैं। एक तरफ गोरिल्ला नजर आता है तो दूसरी ओर ईगल की आकृति खास ध्यान खींचती है। बिग बॉस के हाथ पर बना ईगल भी इस डिजाइन का हिस्सा है। इसका शो की कहानी से क्या कनेक्शन है, यह आने वाले एपिसोड में सामने आएगा। गार्डन के एक हिस्से में पेड़ पर खतरनाक सांप की आकृति बनाई गई है। वहीं एक विचित्र प्राणी को कैंप लगाए हुए दिखाया गया है। यानी घर के बाहर का हिस्सा भी सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि शो की थीम का हिस्सा है। स्विमिंग पूल में इस बार दिखेगी शार्क-गार्डन का स्विमिंग पूल भी इस बार पहले जैसा सामान्य नहीं है। पानी के बीच शार्क की आकृति इसे बिल्कुल अलग लुक देती है। साफ पानी के बीच नजर आती शार्क घर के 'इल्यूजन' वाले कॉन्सेप्ट को और मजबूत करती है। गार्डन में कंटेस्टेंट्स के लिए छोटा जिम-गार्डन एरिया में ही कंटेस्टेंट्स के लिए जिम बनाया गया है। यहां वे एक्सरसाइज और फिटनेस पर ध्यान दे सकेंगे। यानी घर के अंदर होने वाले तनाव और गेम के बीच फिटनेस के लिए भी अलग जगह रखी गई है। ड्राइंग रूम में हर चीज बताएगी अपनी कहानी-गार्डन से आगे बढ़ते ही घर का ड्राइंग और लिविंग एरिया आता है। घर का हर हिस्सा अलग नजर आता है, लेकिन सभी हिस्से एक ही थीम से जुड़े हुए हैं। बेडरूम, किचन, लिविंग एरिया और टेरेस के रंग और कॉन्सेप्ट अलग रखे गए हैं, लेकिन ओवरऑल थीम एक ही है। यही वजह है कि एक कमरे से दूसरे कमरे में जाते ही दर्शकों को अलग दुनिया का एहसास होगा। दीवारों पर बनी आंखें देंगी 'हर चीज देखे जाने' का एहसास-घर की कुछ दीवारों पर बड़ी संख्या में आंखों की आकृतियां बनाई गई हैं। इनका मतलब भी सीधा है- घर के अंदर कुछ भी छिपा नहीं है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। यह डिजाइन बिग बॉस के उस मूल कॉन्सेप्ट को भी दर्शाता है, जिसमें कंटेस्टेंट्स लगातार कैमरों की निगरानी में रहते हैं।किचन में खाना कम, गॉसिप और झगड़े ज्यादा! अब पहुंचते हैं बिग बॉस के सबसे चर्चित हिस्सों में से एक-किचन एरिया में। यहां खाना बनाने के साथ-साथ गॉसिप, बहस और लड़ाई-झगड़े भी खूब होते हैं। इस बार किचन का लुक भी थीम के मुताबिक रखा गया है। फिलहाल यहां नजर आने वाली कुछ चीजें असली नहीं, बल्कि सेट का हिस्सा हैं। किचन से आगे बढ़ते ही डाइनिंग एरिया आता है।डाइनिंग टेबल पर खाने से ज्यादा होंगी बातें-बिग बॉस के घर की डाइनिंग टेबल सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं होती। यहां कंटेस्टेंट्स बैठकर एक-दूसरे से बातें करते हैं, रणनीतियां बनाते हैं और कई बार छोटी-सी बात बड़े विवाद में बदल जाती है। यही वजह है कि इस घर में डाइनिंग एरिया भी कहानी का अहम हिस्सा नजर आता है। बेडरूम में मधुमक्खी, बिच्छू और रंग-बिरंगी तितलियां-घर का बेडरूम इस बार सबसे ज्यादा रहस्यमयी हिस्सों में से एक है। यहां दीवारों और आसपास के डिजाइन में मधुमक्खी, बिच्छू, छिपकली और रंग-बिरंगी तितलियों की आकृतियां नजर आती हैं। डिजाइन को इस तरह तैयार किया गया है कि रात में सोने वाला कंटेस्टेंट भी इस अजीबोगरीब दुनिया के बीच खुद को महसूस करे। बिच्छू और सांप जैसी आकृतियां जहां खतरे का संकेत देती हैं, वहीं तितलियां सपनों और कल्पना की दुनिया का एहसास कराती हैं। समुद्र में डूबती कश्ती भी डिजाइन का हिस्सा-बेडरूम के एक हिस्से में पेड़ के पीछे समुद्र और डूबती हुई कश्ती का दृश्य दिखाई देता है। ऐसा लगता है जैसे समुद्र में कोई नाव डूब रही हो और उसमें मौजूद लोग मुश्किल में हों। यह पूरा सेटअप 'हाउस ऑफ इल्यूजन' की थीम को आगे बढ़ाता है, जहां वास्तविक और काल्पनिक दुनिया के बीच की सीमा धुंधली नजर आती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।